



केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने नई दिल्ली में नया मुक्त युवा विचार पर अखिलेश युवा संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

दैनिक

राष्ट्रीय



गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, बुधवार 14 अक्टूबर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 121 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

नई तकनीक से भ्रष्टाचार कम हुआ और नागरिकों की सुविधा बढ़ी है : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के कार्यक्रम को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में लोगों को संबोधित करते हुए कहा, तकनीक का इस्तेमाल करते हुए हमने लाभाधिक्यों के बैंक अकाउंट तक सीधे सरकारी मदद पहुंचाने की व्यवस्था बनाई है। इससे भ्रष्टाचार कम हुआ है, देश के नागरिक की सुविधा बढ़ी है और सरकार और नागरिक के बीच सीधा रास्ता बना है। उन्होंने कहा, दुनिया में पावर को इस भागदौड़ में भारत एक अलग मिजाज लेकर चल रहा है और इसका गवाह यह दशक भी है। 21वीं सदी का यह दशक अभूतपूर्व ग्लोबल चुनौतियां लेकर आया है। हमने महामारी देखी, फिर दुनिया के अलग-अलग देशों में युद्ध छिड़ गया। जैसे इतना ही काफी नहीं था, ट्रेड हो, क्रिटिकल मिनरल्स हो, एनर्जी सप्लाई हो, इनमें भी अड़चनें आ रही हैं। दुनिया एक संकट से बाहर निकलने का रास्ता तलाशती है, तब तक एक नया संकट आ जाता है। पीएम ने कहा, जिन चीजों ने कभी



दुनिया को जोड़ा था, वही आज हथियार बन रही हैं। सप्लाई चेन हो, एनर्जी हो, मिनरल्स हो, पेमेंट हो या तकनीक, ये दबाव और दबदबे का माध्यम बन रही हैं। उन्होंने कहा, 2014 में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता लगभग 75 गीगावाट थी। आज यह लगभग 300 गीगावाट तक पहुंच गया है। इसका मतलब है कि हमने लगभग चार गुना क्षमता जोड़ी है। साथियों, भारत

में हो रहा ये ऊर्जा परिवर्तन नए अवसर भी पैदा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन, द बिग कैट एलायंस, वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन, भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा, आईएमईसी, मिशन लाइफ, और पर्यावरण के लिए जीवनशैली दिया है। दूसरे शब्दों में, भारत ने ऐसी

पहल की है जिससे हर किसी और जीवन के हर स्वरूप को फायदा हो। उन्होंने कहा, आज, हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर से ज्यादा है। दोस्तों, हमारा बैंकिंग सिस्टम कई देशों के मुकाबले सबसे मजबूत स्थितियों में से एक है। इसी मजबूती का नतीजा है कि भारत की सॉवरैन रेटिंग्स को अपग्रेड किया जा रहा है। आज, भारत का आत्मविश्वास अभूतपूर्व ऊंचाइयों पर है। हम स्पष्ट नीतिगत दिशा के साथ सुधार कर रहे हैं। जीएसटी के जरिए, हमने टैक्स के जटिल जाल को एक राष्ट्रीय बाजार में बदल दिया है। उन्होंने कहा, हमने दिवालियापन कानून बनाया है। 29 लेबर कोड्स को अब चार सरल कोड्स में मिला दिया गया है। कारोबार से जुड़ी सैकड़ों छोटी-मोटी समस्याओं को आसान बनाया गया है, और हम यहीं नहीं रुके हैं। भारत की सुधारों की गाड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है। हमारे लिए सुधार कोई मजबूती नहीं हैं बल्कि सुधार हमारा संकल्प हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा, इस साल ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम की थीम दुनिया में उभरती नई पावर पर केंद्रित है।

अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए : अमित शाह



केंद्रीय गृहमंत्री ने दिल्ली में पहली बीम्सटेक गृहमंत्री स्तरीय बैठक को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि बीम्सटेक क्षेत्र में आतंकवादी नेटवर्क को पनाह देने, भर्ती करने, प्रशिक्षण देने और संसाधन जुटाने की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया। नई दिल्ली में पहली बीम्सटेक गृहमंत्री स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि बीम्सटेक क्षेत्रीय एकीकरण, आर्थिक सहयोग और सामूहिक सुरक्षा का एक अनिवार्य मंच बन गया है। गृह मंत्रियों की जिम्मेदारी है कि वे आपसी सहयोग को व्यावहारिक व्यवस्था में बदलें, ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो और संबंधित एजेंसियों की क्षमता मजबूत हो। श्री शाह ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति पर चलता है। प्रत्येक सदस्य देश की सुरक्षा व्यवस्था दूसरे सदस्य देशों की सुरक्षा में सहायक बननी चाहिए। राष्ट्रीय कानूनों और लागू संधियों के अनुरूप पारस्परिक कानूनी सहायता तथा प्रत्यर्पण के जरिए अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने के प्रयासों को मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी देशों से दुनिया के किसी

भी हिस्से में छिपे भगोड़े अपराधियों और आतंकवादियों को कानून के कटघरे में लाने में सहयोग करने की अपील की। गृहमंत्री ने कहा कि अपराधिक नेटवर्क सीमाओं के पार सक्रिय हैं और स्थानीय कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। एन्क्रिप्टेड संचार, सोशल मीडिया, क्रिप्टोकॉर्रेसी, ड्रोन और डार्क वेब का इस्तेमाल आतंकवादी प्रचार, भर्ती, धन जुटाने और अवैध गतिविधियों के संचालन के लिए किया जा रहा है। इन चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए खुफिया एजेंसियों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, वित्तीय निगरानी तंत्र और सीमा प्रबंधन एजेंसियों के बीच वास्तविक समय में सहयोग और समन्वय जरूरी है। मादक पदार्थों की तस्करी को गंभीर खतरा बताते हुए शाह ने कहा कि नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार केवल एक आपराधिक गतिविधि नहीं, बल्कि युवाओं के जीवन, समाज, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों पर हमला है। उन्होंने कहा, मादक पदार्थों की तस्करी में कुछ भी गोल्टन नहीं है। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र को आम तौर पर 'गोल्डन ट्रायंगल' कहा जाता है, उसे वह 'डेथ ट्रायंगल' कहना पसंद करते हैं। इस समस्या से निपटने के अनेक कारोबार से होने वाली कमाई संगठित अपराध को आर्थिक ताकत देती है और इसका इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण में भी होता है।

सुप्रीम कोर्ट मार्च विदेशी ताकतों और अंतरराष्ट्रीय साजिश का शक : शिंदे

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्षी इंडी गठबंधन पर लगाया आरोप

मुंबई, (एजेंसी)। दिल्ली में उच्चतम न्यायालय तक निकाले गए मार्च को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम में विदेशी ताकतों के शामिल होने और अंतरराष्ट्रीय साजिश की भी आशंका जताई हालांकि, इन आरोपों के समर्थन में उन्होंने कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया। उपमुख्यमंत्री शिंदे आज यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इंडिया गठबंधन के उच्चतम न्यायालय तक किए गए मार्च को देश के इतिहास का काला दिन बताते हुए राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि न्यायपालिका पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान ने देश को मजबूत संवैधानिक संस्थाएं दी हैं और न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए। डिप्टी सीपीएम शिंदे ने कहा कि उच्चतम न्यायालय तक मार्च निकालकर दबाव बनाने की कोशिश करना



दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शन करना सभी का अधिकार है, लेकिन न्यायपालिका से जुड़े मामलों में इस तरह का विरोध उचित नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन से भारतीय न्यायपालिका पर कथित हमले के लिए माफी मांगने की भी मांग की। उन्होंने विपक्ष पर देश में अस्थिरता पैदा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ विदेशी ताकतें देश को कमजोर करने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने आशंका जताई कि दिल्ली में हुआ मार्च किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने कहा

कि विपक्ष चुनावों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पा रहा है, इसलिए इस तरह के आंदोलनों के जरिए राजनीतिक माहौल बनाने की कोशिश कर रहा है। शिंदे ने विपक्ष की रणनीति को देश के लिए खतरनाक बताते हुए आरोप लगाया कि इससे लोकतांत्रिक व्यवस्था और संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंच सकता है। उन्होंने आपातकाल का जिक्र करते हुए विपक्ष से सवाल किया कि अगर देश में वास्तव में इमरजेंसी होती, तो क्या लोग इस तरह उच्चतम न्यायालय तक मार्च निकाल पाते और खुलकर अपनी राय रख पाते? उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन न्यायपालिका का बार-बार अपमान करना सही नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर संविधान को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया। वोटर लिस्ट से जुड़े विवाद पर शिंदे ने दावा किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होगा और फॉर्म-6 के जरिए मतदाता सूची में नाम दर्ज करने की प्रक्रिया उपलब्ध है। उन्होंने विपक्ष पर चुनावी मुद्दों को लेकर अनावश्यक विवाद खड़ा करने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

आरोप लगाने से कुछ नहीं होता, सबूत भी पेश करें राहुल गांधी : पीयूष गोयल



नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर कहा कि उनको अपने आरोपों के समर्थन में साक्ष्य भी प्रस्तुत करना चाहिए। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इसको लेकर राहुल गांधी से 10 सवाल भी पूछे। वहीं, ललन सिंह ने राहुल और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में संविधान सर्वोच्च है, कोई परिवार नहीं। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। भाजपा मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकारों के बीच वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह की मौजूदगी में पीयूष गोयल ने राहुल गांधी की कार्यशैली की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से उनके व्यवहार और बयानों में दोहरे मास्टर्ड दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाती है, लेकिन अपने राजनीतिक आचरण और पिछले रिकॉर्ड पर चर्चा नहीं करती। गोयल ने कहा कि पहले चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति सरकार करती थी और चयन प्रक्रिया में किसी अन्य पक्ष से परामर्श या चर्चा नहीं होती थी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने वर्ष 2023 में न्याय कानून लोकर चयन प्रक्रिया में बदलाव किया और इसमें नेता

महाराष्ट्र में मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियों की समय सीमा बढ़ाई गई

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी है कि मतदाता सूची के मसौदे पर दावे और आपत्तियां दर्ज करने की समय सीमा बढ़ा दी गई है। चुनाव आयोग ने यह समय सीमा 26 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष सक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मसौदा मतदाता सूची पर दावे-आपत्तियां दर्ज करने की अवधि बढ़ाई गई है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को सटीक और अपडेट रखने के लिए की जा रही है। सीएम फडणवीस द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार नए शेड्यूल में दावे और आपत्तियां दर्ज करने की अवधि 31 अगस्त से 26 अक्टूबर तक है।

प्रतिपक्ष को भी शामिल किया। गोयल के अनुसार, अब प्रधानमंत्री और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष चयन समिति में शामिल होकर चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से जुड़े निर्णय लेते हैं। मौजूदा व्यवस्था में विपक्ष को भी चयन प्रक्रिया में भागीदारी दी गई है। पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार ने निर्वाचन आयोग को स्वतंत्र रूप से काम करने का अवसर दिया है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने चुनाव आयुक्तों को कानूनी प्रावधानों के विपरीत राजनीतिक पद देने का प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि वह राहुल गांधी के सामने 10 सवाल रखना चाहते हैं और उन्हें इनका जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल चुनाव में वोट चोरी के आरोप लगाते हैं, निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हैं, लेकिन अपने दावों के समर्थन में शपथपत्र दाखिल नहीं करते। मंत्री गोयल ने मांग की कि राहुल अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण और साक्ष्य प्रस्तुत करें तथा उन्हें शपथ के तहत दर्ज कराएं। सार्वजनिक जीवन में गंभीर आरोप लगाने वालों को उनकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा उठाते हुए गोयल ने सवाल किया कि यदि यह प्रक्रिया इतनी गंभीर समस्या थी, तो बिहार में इसके संचालन के दौरान राहुल गांधी ने आवाज क्यों नहीं उठाई।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सैन्य क्षमता के साथ वैज्ञानिक संस्थानों का सहयोग जरूरी : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के प्रतिभागियों और सदस्यों को किया संबोधित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सैन्य क्षमताओं तक सीमित नहीं है बल्कि इसके लिए वैज्ञानिक संस्थानों और सशस्त्र बलों की बीच घनिष्ठ सहयोग आवश्यक है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते सुरक्षा और प्रौद्योगिकी परिदृश्य में नई चुनौतियों से निपटने के लिए बेहतर तैयारी, रणनीतिक दूरदृष्टि और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने की क्षमता जरूरी है। राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी) के 66वें पाठ्यक्रम के संकाय सदस्यों और प्रतिभागियों से मुलाकात के दौरान यह बात कही। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध के तौर-तरीके अब पारंपरिक क्षेत्रों तक सीमित नहीं हैं बल्कि साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष



प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी तक फैल गए हैं। ऐसे में तेजी से निर्णय लेने की व्यवस्था का महत्व भी बढ़ गया है। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए वैज्ञानिक संस्थानों और सशस्त्र बलों के बीच निकट समन्वय जरूरी है ताकि नवाचार को व्यावहारिक समाधानों में बदला जा सके। हाल के संघर्षों ने ऐसी किरफायती प्रौद्योगिकियों के महत्व को रेखांकित किया है, जो उन्नत रक्षा प्रणालियों की पूरक बन सकें और उपलब्ध

संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करें। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा और नवाचार के बीच संबंध मजबूत करने के लिए अनुसंधान, विकास एवं नवाचार योजना जैसी सरकारी पहलों के महत्व को भी रेखांकित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि विज्ञान, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों के विभिन्न क्षेत्रों में कुट्रिम मैथा (एआई) का इस्तेमाल बढ़ रहा है। हालांकि, निर्णय लेने की पूरी जिम्मेदारी इस प्रौद्योगिकी को नहीं सौंपी जा सकती। उन्होंने एआई के उपयोग में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आर्थिक मजबूती राष्ट्रीय सुरक्षा के ढांचे का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने बाहरी कारकों से उत्पन्न व्यवधानों का सामना करने की क्षमता प्रदर्शित की है। भारत ने ऐसा अपनी रणनीतिक निर्णय लेने की स्वतंत्रता से समझौता किए बिना किया है।

पुलिस को चक्कमा देकर सीजेपी कार्यकर्ता रांका-दास जंतर-मंतर पहुंचे

सुप्रीम कोर्ट की एक साल तक शांति बनाए रखने की चेतावनी का खुला उल्लंघन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार सुबह कॉन्फेरोक जनता पार्टी (सीजेपी) के कार्यकर्ता एक बार फिर वहां पहुंच गए। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका और सौरव दास की अगुवाई में कार्यकर्ता पुलिस को चक्कमा देते हुए लोहे के गेट और बैरिकेड फांदकर जंतर-मंतर पहुंचे। वहां उन्होंने नारेबाजी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। इस दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद यहां सुरक्षा और अधिक बढ़ा दी गई है। इन समस्या थी, तो बिहार में गंभीर संघर्ष के दौरान राहुल गांधी ने आवाज क्यों नहीं उठाई।



एक साल तक शांति और अच्छा आचरण बनाए रखेंगे। इसके लिए उनसे 50 हजार का जमानती बांड भी भरवाया गया। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने एक्स पर वीडियो फुटेज साझा किया, जिसमें लोग सुरक्षा के बीच गेट पर चढ़ते, झंडे लेकर भागते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस अधिकारी

उनको ले जाते दिख रहे हैं। कार्यकर्ता भारत माता की जय और इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं। आशुतोष रांका ने तिरंगे के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, हम कोशिश नहीं कर रहे, जंतर-मंतर पहुंच चुके हैं। सौरव दास ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि जंतर-मंतर पर फिर से कब्जा कर लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि कार्यकर्ता वहां पहुंच गए हैं और अब उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। दास ने युवाओं को संदेश देते हुए लिखा कि वे ऐसा कर सकते हैं। पोस्ट में उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भी निशाने पर लिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने 12 अक्टूबर को नोटिफिकेशन जारी कर जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन स्थल के तौर पर हटाने की जानकारी दी। केंद्रीय गृह मंत्रालय की एक कमेट्री की सिफारिश के आधार पर राजधानी में धरना-प्रदर्शन के लिए तीन नए स्थान तय किए गए हैं। इनमें रामलीला

मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली का सीबोडी मैदान शामिल हैं। सेंट्रल दिल्ली के उच्च सुरक्षा वाले इलाके में स्थित जंतर-मंतर दशकों से विरोध-प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र रहा है। हाल के दिनों में यहां मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विपक्षी दलों के इंडी गठबंधन और सीजेपी ने प्रदर्शन किए। जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला जंतर-मंतर से सीजेपी नेताओं की हिरासत के बाद सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि तिरंगा फहराना कब से उल्लंघन हो गया। दीपके ने बताया कि उनकी टीम को आशुतोष रांका, सौरव दास और अजिंक्य शिंदे लीड कर रहे थे। मंगलवार सुबह उनकी टीम जंतर-मंतर पर गई और वहां जाकर उन्होंने तिरंगा लहराया।



अफीम नीति की देरी ने बढ़ाई किसानों की धड़कनें, बुआई का समय निकलने का डर

विधायक विपिन जैन ने केंद्रीय वित्त मंत्री को लिखा पत्र, जल्द नीति घोषित करने और कटे पड़े बहाल करने की मांग

मंदसौर। अफीम की बुआई का अनुकूल समय निकलता जा रहा है, लेकिन अफीम नीति 2026-27 का अब तक ऐलान नहीं होने से मंदसौर, नीमच सहित अफीम उत्पादक क्षेत्रों के किसानों की चिंता बढ़ गई है। खेत तैयार होने के बावजूद नीति के इंतजार में किसान असमंजस में हैं। उन्हें न केवल उत्पादन प्रभावित होने, बल्कि अफीम के पट्टे कटने की आशंका भी सता रही है। किसानों की इन चिंताओं को लेकर विधायक विपिन जैन ने केंद्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर अफीम नीति जल्द घोषित करने की मांग की है। विधायक जैन ने पत्र में बताया कि पिछले वर्ष सितंबर माह में ही अफीम नीति जारी कर दी गई थी, जबकि इस बार अक्टूबर माह शुरू होने के बाद भी नीति घोषित नहीं हुई है। अक्टूबर के पहले और दूसरे सप्ताह में बुआई होने से मौसम की अनुकूलता का लाभ मिलता है और बेहतर उत्पादन की संभावना रहती है। नीति में देरी से बुआई प्रभावित होने, फसल में रोग लगने की आशंका बढ़ने और



पैदावार पर प्रतिकूल असर पड़ने का खतरा है। कम बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें विधायक ने

क्षेत्र में इस वर्ष कम बारिश को लेकर भी चिंता जताई है। अफीम की फसल के अंतिम चरण में पानी की जरूरत होती है, ऐसे में कम वर्षा के कारण सिंचाई की समस्या खड़ी हो सकती है। बुआई में देरी का असर आगे चलकर अफीम की तौल के साथ सीपीएस पद्धति में डोडा तुड़ाई और तुलाई के दौरान मिलने वाले वजन पर भी पड़ने की आशंका जताई गई है। मार्फिन की सीमा घटाने और पुराने पट्टे बहाल करने की मांग विपिन जैन ने केंद्रीय वित्त मंत्री से मांग की है कि अफीम नीति 2026-27 तत्काल घोषित की जाए। साथ ही मार्फिन की औसत सीमा कम करने, पुराने चीरा पद्धति के आधार पर अफीम के पट्टे जारी करने और पूर्व में काटे गए सभी पट्टों को बहाल करने की दिशा में निर्णय लिया जाए। नीति में देरी के बीच किसानों के सामने बुआई का समय बचाने और फसल को संभावित नुकसान से बचाने की चुनौती है। ऐसे में किसानों की निगाहें अब केंद्र सरकार के फैसले पर टिकी हैं। शीघ्र नीति घोषित होने से किसान समय पर बुआई की तैयारी पूरी कर सकेंगे और उत्पादन पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आशंका को कम किया जा सकेगा।

दलौदा में नितिन जैन सहित चार के खिलाफ FIR

विधायक विपिन जैन बोले— ‘1001 प्रतिशत गलत, राजनीतिक ढ़ेप से हुई कार्रवाई’

मंदसौर। जिले के दलौदा थाना क्षेत्र में कांग्रेस विधायक विपिन जैन के छोटे भाई नितिन जैन सहित चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने से राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। सरपंच दुर्गा केशवास की शिकायत पर पुलिस ने 12 अक्टूबर 2026 को प्रकरण क्रमांक 0426/2026 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(3), 296(बी) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। शिकायत के अनुसार, कथित घटना 28 सितंबर 2026 को शाम 6 से 6:30 बजे के बीच की है। मामले में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता का पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। विधायक ने सड़क को बताया राजनीतिक ढ़ेप का परिणाम

नितिन जैन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने पर विधायक विपिन जैन ने इसे ‘1001 प्रतिशत गलत’ बताते हुए आरोपों को झुठ करार दिया है। उनका कहना है कि राजनीतिक ढ़ेप के चलते यह मामला दर्ज कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सत्ता पक्ष के दबाव में न तो डरेंगे और न ही झुकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि इस घटनाक्रम को याद रखा जाएगा। विधायक ने शिकायतकर्ता सरपंच दुर्गा केशवास पर पलटवार करते हुए उनके खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े आरोप लगाए। विपिन जैन के अनुसार, सरपंच के खिलाफ आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) में भ्रष्टाचार का प्रकरण दर्ज है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जिला पंचायत पूर्व में दो बार सरपंच को धारा 40 के तहत पद से हटा चुकी है तथा सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए भी लिखा गया है। विधायक ने सरपंच और उनके पति को कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए।

प्रभारी सीएमएचओ ने सिविल अस्पताल आमला और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पाथाखेड़ा का किया निरीक्षण

बैतूल। प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शर्मा ने 13 अक्टूबर को सिविल अस्पताल आमला और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पाथाखेड़ा का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सिविल अस्पताल आमला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड , मेटरनिटी वार्ड, कोल्ड चैन टीकाकरण कक्ष का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान पीएसी वार्ड में भर्ती महिलाओं से चर्चा कर दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर न करने पर एक नर्सिंग ऑफिसर को कारण बताओं नोटिस एवं सार्थक एप में उपस्थिति दर्ज न करने पर नर्सिंग ऑफिसर का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्टाफ को समय पर अपने कार्य पर उपस्थित रहने एवं निर्धारित समय पर सार्थक एप पर उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश दिए। वहीं अस्पताल की सफाई नियमित रूप से करवाने के बीएमओ को निर्देश दिए।

शासकीय एकलव्य महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में मार्शल आर्ट का पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

बैतूल। बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं योजनातर्गत अपराजिता कार्यक्रम मार्शल आर्ट के तहत जुड़ो कराटे का पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण महिला एवं बाल विकास विभाग बैतूल के तत्वावधान में शासकीय एकलव्य महिला आईटीआई बैतूल में सम्पन्न हुआ। 28 सितंबर से 12 अक्टूबर तक आयोजित प्रशिक्षण में आईटीआई के बालिका छात्रावास में निवासरत 160 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रशिक्षण का डेमोस्ट्रेशन प्रस्तुत किया एवं प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किए गए। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री प्रफुल्ल कुमार खत्री, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग बैतूल, श्री ब्रजेश कुमार वर्मा, श्रीमती विजय श्री वर्मा महिला एवं बाल विकास विभाग बैतूल एवं महिला आईटीआई के प्राचार्य श्री अजीश पन्दे, प्रशिक्षण अधीक्षक श्री सुभाष परते, प्रशिक्षण अधिकारी श्री चितार्तामणि विश्वकर्मा उपस्थित हुए।

कलेक्टर ने जनसंख्या गणना के 40 प्रश्नों के अंतर्निहित भाव एवं राष्ट्रीय नीति निर्माण में महत्व को समझाया

बैतूल। भारत की जनगणना 2027 के द्वितीय चरण अर्थात जनसंख्या गणना के सफल, सुव्यवस्थित एवं त्रुटिरहित संपादन के लिए जिला बैतूल में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सीरभ संजय सोनवणे की उपस्थिति एवं मार्गदर्शन में जिला एवं चार्ज स्तरीय अधिकारियों के दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस जनसंख्या गणना कार्य के क्रियावन्धन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रियाओं, तकनीकी प्रणालियों तथा प्रशासनिक दायित्वों के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर आगामी कार्यों के लिए दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश, भोपाल की प्रशिक्षक सुश्री शालिनी वर्मा एवं सुश्री रश्मि पाटीदार द्वारा प्रदान किया गया। सीएमएमएस पोर्टल की कार्यप्रणाली एवं प्रक्रियाओं की दी गई गहन जानकारी प्रशिक्षण के प्रथम दिवस की शुरुआत प्रतिभागियों के पंजीकरण एवं परिचय सत्र से हुई। इसके पश्चात जनगणना 2027 के द्वितीय चरण की परिचालन प्रक्रिया, प्रशासनिक अधिकारियों एवं लिपिकों के दायित्वों तथा जनगणना कार्य के प्रभावी संचालन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान सीएमएमएस पीई मॉड्यूल के अंतर्गत गणना ब्लॉक के गठन , प्रशिक्षण व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स एवं डैशबोर्ड की कार्यप्रणाली से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। सीएमएमएस पोर्टल की सैद्धांतिक जानकारी के साथ ही व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया, ताकि अधिकारी डिजिटल प्रणाली का उपयोग सुगमता एवं दक्षता के साथ कर सकें। इसके अतिरिक्त ईवी क्रिएटर के माध्यम से उप-गणना ब्लॉक का सीमांकन एवं ले-आउट मैप तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनी नागरिकों की समस्याएं

हरदा। कलेक्टर श्री सिद्धार्थ जैन ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में आयोजित ‘जनसुनवाई’ कार्यक्रम में आए नागरिकों की समस्याएं सुनी और उपस्थित अधिकारियों को नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती अनुपमा चौहान, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरोत्तम भार्गव,डिप्टी कलेक्टर सुश्री श्वेता बम्होरे एवं श्री असबनराम चिरामन सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे। जनसुनवाई में ग्राम जिजगांव खुर्द निवासी कैलाश पिता जागेश्वर ने दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर उप संचालक

सामाजिक न्याय विभाग को आवेदक की पात्रता का परिक्षण कर पात्रता अनुसार दिव्यांगता प्रमाण-पत्र बनवाने के निर्देश दिये। ग्राम मागरधा निवासी नरेन्द्र गौर ने अपनी कृषि भूमि से अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये। हरदा निवासी शशीक खां ने जनसुनवाई में आवेदन देकर अपनी पुट्टी मशीन व ग्लेज़र मशीन का किराया भुगतान कराने तथा मशीन वापस दिलाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर श्रम पदाधिकारी हरदा को आवेदक की समस्या का निराकरण कराने के निर्देश दिये गये।

64 आवेदनों के बीच चर्चा में रहा जमीन का विवाद, लोट लगाकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचा फरियादी



देवीलाल ने नायब तहसीलदार और पटवारी पर लगाए दूसरे व्यक्ति को पट्टा जारी करने के आरोप

मंदसौर। जिला स्तरीय जनसुनवाई में मंगलवार को उस समय एक अलग ही तस्वीर सामने आई, जब जमीन संबंधी समस्या से परेशान मल्हारगढ़ तहसील के खेड़ा कोयला गोंप निवासी देवीलाल लोट लगाते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचा। फरियादी पिछले सात साल से जमीन विवाद को लेकर परेशान है। उसने अपनी समस्या के समाधान के लिए यह कदम उठाया।

देवी लाल ने नायब तहसीलदार और पटवारी पर उसकी जमीन पर किसी अन्य व्यक्ति को पट्टा जारी करने का आरोप भी लगाया। इस घटना ने जनसुनवाई में अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए पहुंच रहे फरियादियों की परेशानी को सामने ला दिया। इधर, जिला स्तरीय जनसुनवाई कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में संपन्न हुई। कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने आवेदकों की समस्याएं सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को जांच कर नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल

64 आवेदन प्राप्त हुए। अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। कब्जे से लेकर रास्ते तक की समस्याएं जनसुनवाई में ग्राम सेमलिया हीरा निवासी सूरज ने भूखंड का कब्जा दिलाने और पट्टा उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया। इस पर एसडीएम मंदसौर को जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। मल्हारगढ़ निवासी प्रकाश ने कृषि भूमि पर आने-जाने का रास्ता खुलवाने की मांग की। मामले में तहसीलदार मल्हारगढ़ को जांच कर उचित कार्रवाई करने के लिए कहा गया। वहीं, नारायणगढ़ निवासी सुनील ने शासकीय भूमि को संरक्षित करने के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया। इस पर भी तहसीलदार मल्हारगढ़ को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। राजस्व और बिजली संबंधी शिकायतें भी पहुंचीं। जनसुनवाई में भूमि पर कब्जा दिलाने, राजस्व नक्शा दुरुस्त कराने, नामांतरण, नवीन विद्युत कनेक्शन, भूखंड का मालिकाना हक दिलाने, रजिस्ट्री कराने, भूमि की नपती एवं सीमांकन तथा नक्शे के अनुसार नपती कर पंचनामा तैयार कराने सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आवेदनों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। वहीं, सात साल से जमीन संबंधी समस्या का समाधान नहीं होने का दावा करते हुए देवी लाल का लोट लगाकर जनसुनवाई तक पहुंचना प्रशासन के सामने लंबित शिकायतों के समयबद्ध निराकरण की जरूरत को रेखांकित करता नजर आया।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी, तहसील-कोलार, भोपाल

प्रकरण क्रमांक 0016/ अपील/2026-27

भोपाल दिनांक 30/09/2026

// सूचना पत्र //

प्रति
1 नारायण सिंह आ. स्व. श्री बंशीलाल निवासी ग्राम सेमराकलॉ, तहसील हुजूर, जिला-भोपाल (म.प्र.)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम अमरावदकलॉ स्थित भूमि खसरा क्रमांक 7/1/1 रकबा 1.32 एकड़ भूमि में राजस्व प्रकरण क्रमांक 0700/आ-6/2025-26 आदेश दिनांक 13.07.2025 के विरुद्ध श्री डी पी राज अग्रवाल द्वारा अपील प्रस्तुत की गई है। अपील प्रकरण इस न्यायालय में प्रचलित है। उक्त प्रकरण में आप हितबद्ध पक्षकार है।

उक्त में यदि आपको या किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 21-10-2026 को इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है उपस्थित न होने की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 30/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी

तहसीलदार भोपाल

समुद्र निगत रख तटवर्ती जमीन,भारत के 33.६ फीसदी समुद्री तट खतरे में नई दिल्ली। भारत के समुद्री तटों पर कटाव की समस्या गंभीर होती जा रही है। समुद्र की बढ़ती लहरें तटवर्ती जमीन को लगातार निगल रही हैं। इसके कारण तटीय बस्तियों, सड़कों, मकानों, कृषि भूमि और प्राकृतिक संसाधनों पर खतरा बढ़ गया है। राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, देश की लगभग 33.6 फीसदी तटरेखा समुद्री कटाव से प्रभावित है। जलवायु परिवर्तन,समुद्र के जलस्तर में वृद्धि और तेज होती समुद्री लहरें इस संकट को और गंभीर बना रही हैं।

दैनिक

राष्ट्रीय



गरिमा

www.rashtriyaгарima.com

भोपाल, बुधवार 14 अक्टूबर 2026

देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 1.11 अरब बॉइंडेड ग्राहक 108.7 करोड़ नई दिल्ली। देश में इंटरनेट का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़कर 1.11 अरब पहुंच गई है। वहीं, बॉइंडेड ग्राहकों की संख्या 108.7 करोड़ दर्ज की गई है। ये आंकड़े देश में डिजिटल सेवाओं के तेजी से विस्तार और इंटरनेट पर बढ़ती निगरानी को दर्शाते हैं। इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से ऑनलाइन शिक्षा,डिजिटल भुगतान, ई-गोवर्नर्स, सोशल मीडिया और सरकारी सेवाओं का उपयोग भी बढ़ा है।

गुजरात के राजकोट रणजीत विलास पैलेस में क्षत्रिय महिलाओं का शौर्य रास

महिलाओं ने तलवारों से किया प्रदर्शन,खुली जीप पर खड़े होकर की तलवारबाजी

राजकोट। नवरात्रि शक्ति की पूजा, परंपरा और भक्ति का त्योहार है। इस त्योहार पर गुजरात के राजकोट में क्षत्रिय समुदाय की महिलाओं और बेटियों ने सोमवार रात पारंपरिक तलवार रास पेश करके शौर्य और शक्ति की पूजा का एक अनोखा नजारा पेश किया। राजकोट शहर के पैलेस रोड स्थित ऐतिहासिक रणजीत विलास पैलेस में नवरात्रि रासोत्सव 2026 के तहत भगिनी सेवा फाउंडेशन द्वारा दो दिवसीय तलवार रास का किया गया, जिसमें 200 से ज्यादा क्षत्रिय महिलाओं और बेटियों ने हिस्सा लिया। बीती



रात कार्यक्रम में पारंपरिक तलवार रास के साथ-साथ महिलाओं और बेटियों ने टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर पर भी तलवार रास किया। हथियारों के साथ किए गए इस प्रदर्शन में क्षत्रिय

परंपरा और भगवती की पूजा का मेल देखने को मिला। इसमें तलवार रास के अलावा,दिवाड़ा रास और थाली रास सहित विभिन्न पारंपरिक रास भी किए गए। नवरात्रि के पावन अवसर पर राजकोट के रणजीत विलास पैलेस में क्षत्रिय समाज की बहनों द्वारा डीजे या आधुनिक गरबा के बजाय प्राचीन परंपरा को जीवित रखते हुए बहनों ने बाइक और खुली जीप पर धारदार तलवारों के साथ रास किया और उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। तलवार रास के अलावा बहनों ने दिवाड़ा रास, थाली रास और टिप्पणी रास भी किया। नवरात्रि के दौरान रणजीत विलास पैलेस में वर्ष 2006 से तलवार रास का आयोजन किया जा रहा है। हर वर्ष की तरह इस

वर्ष भी उत्सव के दूसरे और तीसरे दिन विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राजकोट राज्य की रानी साहेबा महारानी कार्दबरीदेवी ने कहा कि हम ब्रह्मचारिणी भगवती देवी की पूजा करते हैं और यह कार्यक्रम उन्हीं को याद करके शुरू हो रहा है। यह कार्यक्रम खस भगिनी सेवा फाउंडेशन की बहनों द्वारा आयोजित किया जा रहा है,जो सभी क्षत्रिय बहनों ने आयोजित किया है। संगठन के साथ-साथ क्षत्रिय बहनों भी मेहनत और ईतजाम कर रही हैं। महारानी कार्दबरीदेवी ने कहा कि आप देखेंगे कि वे हर तरह के स्टंट करती हैं,आपको स्टंट देखने में बहुत आसान लगेंगे, लेकिन असल में उनके पीछे कड़ी मेहनत होती है। उन्होंने एक महीने से इसकी ट्रेनिंग ली

है और इसका प्रदर्शन किया। समाज को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य रास तलवार रास है। हमारी इस दिव्य कला और संस्कृति को आदर और सम्मान मिलना चाहिए। आप इस ग्राउंड पर देखेंगे कि हमारे क्षत्रिय समाज की बहनें कैसे अपनी संस्कृति की रक्षा करने के लिए पुरे जोश और उत्साह के साथ प्रदर्शन कर रही हैं। देवयानीबा झाला ने कहा कि हर साल नवरात्रि की तरह इस बार भी महल के अंदर यह रास कार्यक्रम किया जा रहा है। मुझे भी इसमें हिस्सा लेकर बहुत खुशी हो रही है। हमें यहां कोई रास सिखाए जाते हैं, जिनमें से मैंने दिवाड़ा रास, प्रांप रास में हिस्सा लिया है और कारों में जो स्टंट होते हैं, उनमें भी मैंने हिस्सा लिया है।

हिमालयी और सीमावर्ती इलाकों में खास हेल्थकेयर की जरूरत है : जेपी नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री लाहौल-स्पीति में हाई एल्टीट्यूड हेल्थ रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखी

केलांग। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने आईसीएमआर के हाई एल्टीट्यूड मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि यह केंद्र स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए एक मजबूत संस्थागत आधार तैयार करेगा और हिमालयी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली स्वास्थ्य संबंधी खास चुनौतियों के बारे में वैज्ञानिक समझ को बढ़ाएगा। इस मौके पर बोलते हुए,नड्डा ने ऑक्सीजन का कम स्तर,बहुत ज्यादा ठंड,बदलते मौसम और आदिवासी समुदायों की खास जीवनशैली से सेहत पर पड़ने वाले असर को समझने के लिए समर्पित वैज्ञानिक रिसर्च के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने सेहत से जुड़े खतरों की पहचान करने,सही उपचार करने और बचाव वाली हेल्थकेयर को मजबूत करने के लिए इन खास इलाकों की चुनौतियों का व्यवस्थित अध्ययन करने की जरूरत पर जोर दिया। हेल्थकेयर



इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और अच्छी क्वालिटी वाली हेल्थकेयर तक पहुंच पक्की करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस सेंटर की स्थापना दूरदराज के हिमालयी और सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों की खास हेल्थकेयर जरूरतों को पूरा करने को दी गई अहमियत को दिखाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि रिसर्च पर आधारित उपाय सेहत के नतीजों को बेहतर बनाने और इन मुश्किल हालात में काम करने वाले स्थानीय समुदायों और सशस्त्र बलों

के जवानों की भलाई को बढ़ाने में मदद करेंगे। केंद्रीय मंत्री नड्डा ने इस सेंटर को स्थापित करने में आईसीएमआर और आर्म्ड फोर्स मेडिकल सर्विसेज के बीच सहयोग की सराहना की। उन्होंने एम्स बिलासपुर के योगदान की भी माना,जो इस इलाके में आने वाले मरीजों पर ज्यादा ऊंचाई वाले हालात के सेहत पर पड़ने वाले असर का अध्ययन करने में हिस्सा लेगा। यह सहयोग वैज्ञानिक विशेषज्ञता और क्लिनिकल अनुभव को एक साथ लाएगा ताकि ज्यादा ऊंचाई वाली जगहों पर सेहत से

जुड़ी चुनौतियों की समझ गहरी हो सके और सबूत-आधारित हेल्थकेयर उपायों को बढ़ावा मिल सके। इस पहल के लंबे समय के महत्व पर जोर देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि यह सेंटर आदिवासी समुदायों और ज्यादा ऊंचाई वाले इलाकों में तैनात सशस्त्र बलों के जवानों के लिए हेल्थकेयर को बेहतर बनाने में योगदान देगा। नड्डा ने कोविड-19 वैक्सीन विकसित करने में आईसीएमआर की भूमिका की भी सराहना की, जिसने न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर के अन्य देशों में भी महामारी से लड़ने में मदद की। बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लाहौल-स्पीति जिले के केलांग में हाई एल्टीट्यूड रिसर्च सेंटर स्थापित करने में इस सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। ज्यादा ऊंचाई वाले माहौल में काम करने के सशस्त्र बलों के अनुभव का जिक्र करते हुए उन्होंने भरोसा जताया कि यह संयुक्त रिसर्च पहल ज्यादा ऊंचाई से जुड़ी सेहत की चुनौतियों की वैज्ञानिक समझ को गहरा करने और असरदार मेडिकल समाधान विकसित करने में मदद करेगी।

भारत की नागरिकता पाने वाले परिवारों के लिए दिवाली जैसा माहौल : हर्ष संघवी

गुजरात में158 शरणार्थी परिवारों को मिली भारतीय नागरिकता,खुशी से झूम उठेलोग

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित भारतीय नागरिकता प्रमाणपत्र वितरण समारोह में 158 शरणार्थियों को भारतीय नागरिकता प्रदान की गई। इनमें नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के तहत 126 और जिला कलेक्टर कार्यालय के माध्यम से पंजीकृत 32 लाभार्थी शामिल हैं। उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने लाभार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र सौंपे। वर्षों तक अनिश्चितता, भय और कठिनाइयों का सामना करने वाले इन परिवारों के लिए यह पल खुशियों और नई उम्मीदों से भरा रहा। समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि दिवाली आने में अभी 20 दिन बाकी हैं, लेकिन भारतीय नागरिकता मिलने से इन 158 परिवारों के घरों में



आज से ही दिवाली जैसा माहौल बन गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में धार्मिक उपीड़न और यातनाएं सहने के बाद भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन और पारसी परिवारों को अब सम्मान के साथ नया जीवन जीने का अवसर मिल रहा है। हर्ष संघवी ने नागरिकता संशोधन कानून के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के लिए सीएए का विरोध करने वाले लोग इन पीड़ित परिवारों की दर्दनाक परिस्थितियों और वर्षों की पीड़ा को नहीं समझ सकते। उन्होंने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताते हुए कहा कि इस कानून का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को नागरिकता और उनके बच्चों को बेहतर भविष्य का अवसर देना है। उन्होंने भारतीय पासपोर्ट के सम्मान और गौरव का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की परंपरा जरूरतमंदों की सहायता करने की रही है। नागरिकता मिलने से इन परिवारों को न केवल पहचान मिली है, बल्कि अब वे देश के विकास में भी अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। समारोह में उपमुख्यमंत्री ने पाकिस्तान से आए निर्मलजी, कुंवरबेन और नंदलालजी जैसे परिवारों के संघर्षों का जिक्र किया। उन्होंने विशेष रूप से धारा सिंधु का उदाहरण दिया, जिन्होंने शारीरिक चुनौतियों के बावजूद टेबल टेनिस और फ्लोर गेम्स जैसे खेलों में जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

बस्तर दशहरा में इस बार शामिल नहीं होंगे मुंडा बाजा वादक,आश्वासन की मांग



30 मुंडा बाजा वादकों ने पिछले छह वर्षों से मानदेय नहीं मिलने का लगाया आरोप

जगदलपुर। बस्तर दशहरा में इस बार मुंडा बाजा वादक भागीदारी से साफ इनकार कर दिया है। पिछले छह वर्षों से मानदेय नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए 30 मुंडा बाजा वादकों ने इस बार बस्तर दशहरा में शामिल होने से इनकार कर दिया है। वादकों का कहना है कि बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद उनकी मांग पूरी नहीं हुई है। अब वे प्रशासन से लिखित आश्वासन मिलने पर ही दशहरा में शामिल होने को तैयार हैं। मुंडा बाजा वादकों को मनाने के लिए एंजडीएम और आरआई की पहचुने,लेकिन उनकी समझाश के बावजूद वादक अपने फैसले पर आडिग रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि

छह साल से लंबित मानदेय की मांग पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद ही वे बस्तर दशहरा में शामिल होंगे। मुंडाबाजा वादक बाबूलाल बघेल के अनुसार मानदेय की समस्या से संबंधित आवेदन एक महीने पहले बस्तर महाराजा कमलचंद्र भंजदेव, बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं बस्तर सांसद महेश कश्यप, बस्तर कलेक्टर और जगदलपुर तहसीलदार को सौंपकर पूरे मामले से अवगत कराया गया था। इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वादकों का कहना है कि उन्हें ऐसा कोई भरोसेमंद आश्वासन भी नहीं मिला है, जिसके आधार पर वे अपनी परंपरागत जिम्मेदारी निभाने का निर्णय ले सकें। वादकों ने बताया कि वर्ष 2019 में तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा

मांडी, मेम्बरिन और मुंडा बाजा वादकों को प्रतिमाह 2,000 रुपये मानदेय देने की घोषणा किए जाने की बात कही गई थी। उनका आरोप है कि छह वर्ष बीत जाने के बाद भी उन्हें इसका लाभ नहीं मिला है। वादकों का कहना है कि अन्य संबंधित वर्गों को मानदेय मिल रहा है, लेकिन मुंडा बाजा वादक इससे वंचित हैं। इस भेदभाव को लेकर उन्होंने दुख जताया है। मुंडा बाजा वादकों ने स्पष्ट किया है कि वे बस्तर दशहरा की परंपरा और अपनी जिम्मेदारी को समझते हैं, लेकिन वर्षों से लंबित मांग को लेकर अब केवल मौखिक आश्वासन पर भरोसा नहीं कर सकते। उनका कहना है कि यदि प्रशासन की ओर से लिखित आश्वासन दिया जाता है, तो वे दशहरा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अन्यथा इस बार आयोजन में शामिल नहीं होने का निर्णय कायम रहेगा। वादकों ने दुख जताते हुए कहा कि वे वर्षों से अपनी पारंपरिक सेवाएं देते आए हैं, लेकिन मानदेय के मामले में उनकी मांग अब तक पूरी नहीं हुई। उनका कहना है कि प्रशासन की कार्रवाई नहीं होने के कारण उन्हें इस बार दशहरा से दूर रहने जैसा कदम उठाना पड़ रहा है।

जयपुर जिला परिषद चुनाव में भाजपा ने जारी की प्रत्याशियों की सूची

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पंचायतीराज चुनावों के तहत जयपुर जिला परिषद के लिए अपने प्रत्याशियों की पहली आधिकारिक सूची जारी कर दी है। पार्टी ने कुल 57 वार्डों में से 55 वार्डों के लिए उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं,जबकि 2 वार्डों (वार्ड 33 और वार्ड 56) पर प्रत्याशियों के नाम फिलहाल विचाराधीन रखे गए हैं। इस सूची में पार्टी ने महिला प्रतिनिधित्व पर खासा जोर देते हुए 31 वार्डों में महिला उम्मीदवारों पर भरोसा जताया है। पूर्व जिला प्रमुख और सोपम के करीबी को टिकट घोषित सूची में सबसे प्रमुख नामों में पूर्व जिला प्रमुख रमा चौपड़ा शामिल हैं, जिन्हें पार्टी ने वार्ड 18 (अनारक्षित ओपन) से एक बार फिर चुनावी मैदान में उतारा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के करीबी माने जाने वाले जयपुर दक्षिण के जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर को वार्ड 22 (ओबीसी ओपन) से प्रत्याशी बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि जब राजेश गुर्जर को जयपुर दक्षिण जिला अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया था,तब मुख्यमंत्री स्वयं उनके पदभार ग्रहण समारोह में पहुंचे थे।

BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

अब नई बेंच बनेगी

केंद्र ने विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय की। पांच जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि ये नियुक्तियां तीन सदस्यीय समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश, एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल रहेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार को यह निर्णय पसंद नहीं आया, तो उसने उसी वर्ष दिसंबर में संसद से विधेयक पारित करवा कर समिति की संरचना बदल दी। इसके तहत प्रावधान किया गया कि नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक कैबिनेट मंत्री, और नेता विपक्ष रहेंगे। इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो न्यायालय ने वह याचिका दो जजों की बेंच को सौंप दी। उस पीठ का बंटा हुआ फैसला बुधवार को आया। एक जज- न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने याचिका में पेश दलील को जायज मानते हुए कहा कि उपरोक्त कानून ने नियुक्ति समिति में सत्ता पक्ष का बहुमत कायम कर दिया है, जिससे वहां नेता विपक्ष की मौजूदगी सजावटी बन भर रह गई है। वे इस तर्क से भी सहमत हुए कि मौजूदा स्वरूप में समिति ‘स्वतंत्र’ मालूम नहीं पड़ती। लेकिन दूसरे जज जरिस्टस एस.सी. शर्मा ने सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश दलील से सहमति जताई कि इस मामले से महत्त्वपूर्ण कानूनी प्रश्न जुड़े हुए हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की अधिक बड़ी बेंच ही फैसला दे सकती है। तो अब मामला फिर से प्रधान न्यायाधीश के पास चला गया है। वे तय करेंगे कि क्या इस मुद्दे पर फिर से संविधान पीठ बने? केंद्र ने जब विधायी पहल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा था, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। इस बीच तमाम चुनाव सरकार के मन-माफिक बने निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते रहेंगे। अतः सामान्य स्थितियों में फैसले का इंतजार असहनीय महसूस नहीं होता। लेकिन निर्वाचन आयोग जैसी शिकायतों से घिरता चला गया है, उसको लेकर जैसे संदेह सार्वजनिक दायरे में मौजूद हैं, उन्हें देखते हुए बहुत बड़े जनमत को संभावित देर अंधेर का कारण बनती मालूम पड़ेगी।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आएगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आपकी सेहत ठीक रहेगी। आज आपका अपने प्रियजनों के साथ बहुत ही बेहदरीन समय बीतेगा। घरेलू कामों में रुचि बनी रहेगी तथा रिलेक्स करने के लिए मनोरंजन संबंधी योजनाएं भी बन सकती हैं।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज व्यवस्थित दिनचर्या तथा खान-पान सही रखने से आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा तथा आप स्वरा को स्वस्थ और ऊर्जवान महसूस करेंगे। आप अपने दम पर हर काम को करने की क्षमता रखेंगे।

मिथुन राशि: आज किसी खास काम में आपको फायदा मिलेगा। माता-पिता के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे, आपके कामों में आपकी मदद भी करेंगे। आज आपको घर के किसी वरिष्ठ सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर उलझन बनी रहेगी। ऑफिस में आपको कुछ नए कामों की जिम्मेदारी मिलेगी, जिसको आप सफलतापूर्वक पूरा भी कर लेंगे। स्टील का कारोबार कर रहे लोगों के किसी प्रोजेक्ट की ज्यादा डिमांड बढ़ेगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन नई उमंग के साथ शुरू होगा। लवगेट के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। आज मीडिया तथा कन्युनिकेशन से संबंधित व्यवसाय में उपलब्धियों के योग बन रहे हैं। इस उचित समय का भरपूर सदुपयोग करेंगे। व्यावसायिक पार्टियों के साथ रिश्ते मधुर बनाने का प्रयास करेंगे।

सिंह राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा। कई तरह के विचारों का आदान-प्रदान रहेगा। आज आप जरूरत से ज्यादा किसी भी व्यक्ति के ऊपर विश्वास करने से बचें और खुद पर यकीन करें। आज बच्चों के साथ उनके क्रियाकलापों में रुचि लेना और सहयोग करना उनके आत्मविश्वास को और अधिक बढ़ाएगा।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छ रहने वाला है। आज आपको घर से संबंधित किसी समस्या का समाधान मिलने वाला है। बेहतर होगा कि आप वरिष्ठ सदस्य की सलाह और मार्गदर्शन पर ध्यान दें। आप उलझन से मुक्त होकर अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे। बच्चों की शिक्षा और करियर से रिलेटेड भी कोई काम हो सकता है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आज आपको खर्चों पर ध्यान देने की जरूरत होगी। लेकिन आप धैर्य और संयम बनाए रखें, जल्द ही सब ठीक होगा। फ़ालतू बातों में ध्यान न दें और अपने काम में ही व्यस्त रहें। आज टोपस्टर बाद पर्सिस्टेंसिया सकारात्मक रहेगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज काफी हद तक आप खुद को पॉजिटिव महसूस करेंगे। आज आप ध्यान रखेंगे कि आपकी बात से किसी को आघात न पहुंचे। अपनी महत्वपूर्ण चीजों की देखभाल खुद करेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज मौजूदा बिजनेस में नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। अपने कार्यक्षेत्र में जो बदलाव किए हैं, उसके भी भविष्य में बेहतर परिणाम हासिल होंगे। कोई ऑफिशियल यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

मकर राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज ऑफिस के काम में आप थोड़े बिजी होंगे तथा आपको थोड़ी थकांत महसूस होगी, अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। आज अनुभवी व्यक्ति की सलाह और मदद आपके व्यवसाय को नई दिशा देगी। आर्थिक स्थिति आज अच्छी बनी रहेगी।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस समय अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ज्यादा ध्यान दें। पिछले कुछ समय से चल रही उलझनों से राहत मिलेगी। आज अपावन ही आपको कहीं से सहयोग और उचित सलाह भी हासिल होगी। इस राशि के विदेश जाने के लिए प्रयास कर रहे व्यक्तियों को शुभ सृचना मिल सकती है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए सुश्रियों से भरा रहने वाला है। आज योजनाबद्ध तरीके से अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित करें, इससे आपके कार्य सफल होंगे। नजदीकी रिश्तों से घात रहे मन-मुटाव दूर होने से रिश्तों में मधुरता आएगी। साथ ही परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा।

सामूहिक भागीदारी से विकसित भारत का संकल्प होगा पूरा, बनेगा स्वर्णिम भारत

आम प्रकाश उद्घरिया

सेवा जब संकल्प बनती है, संकल्प जब समर्पण में बदलता है और समर्पण जब राष्ट्र निर्माण का आधार बनता है, तब एक ऐसी यात्रा प्रारंभ होती है, जो केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की आकांक्षाओं और भविष्य की यात्रा बन जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर इसी भाव को अभिव्यक्त करता है। जनसेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए तय की गई इस यात्रा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन से जोड़ने के उद्देश्य से देशभर में ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जा रहा है। इसी अभियान की एक प्रेरक पहल ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ है, जो गांव, जिला और राज्य स्तर पर सेवा, समर्पण, निष्ठा और राष्ट्र संकल्प की भावना को आगे बढ़ा रही है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी ने शासन की जिम्मेदारी संभाली थी। वहां से प्रारंभ हुई उनकी शासन और जनसेवा की यात्रा ने 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष का महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा किया है। इन ढाई दशकों में शासन के केंद्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को रखते हुए विकास को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास प्रमुखता से सामने आया है। प्रधानमंत्री के रूप में ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ का मंत्र इसी सोच को व्यापक स्वरूप देता है। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प इसी जनभागीदारी को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति मानकर आगे बढ़ने का आह्वान करता है। ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ अपने आप में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना का सुंदर संगम है। ज्योति हमारी परंपरा में प्रकाश, ज्ञान, आशा और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक है, जबकि कलश मंगल, पवित्रता और शुभ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। जब यही ज्योति और कलश सेवा के भाव से जुड़ते हैं, तब वे राष्ट्र निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश देते हैं।

आम प्रकाश उद्घरिया

सेवा जब संकल्प बनती है, संकल्प जब समर्पण में बदलता है और समर्पण जब राष्ट्र निर्माण का आधार बनता है, तब एक ऐसी यात्रा प्रारंभ होती है, जो केवल किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की आकांक्षाओं और भविष्य की यात्रा बन जाती है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने का अवसर इसी भाव को अभिव्यक्त करता है। जनसेवा, सुशासन और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए तय की गई इस यात्रा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन से जोड़ने के उद्देश्य से देशभर में ‘सेवा संकल्प अभियान’ चलाया जा रहा है। इसी अभियान की एक प्रेरक पहल ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ है, जो गांव, जिला और राज्य स्तर पर सेवा, समर्पण, निष्ठा और राष्ट्र संकल्प की भावना को आगे बढ़ा रही है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी ने शासन की जिम्मेदारी संभाली थी। वहां से प्रारंभ हुई उनकी शासन और जनसेवा की यात्रा ने 7 अक्टूबर 2026 को 25 वर्ष का महत्वपूर्ण पड़ाव पूरा किया है। इन ढाई दशकों में शासन के केंद्र में गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग को रखते हुए विकास को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास प्रमुखता से सामने आया है। प्रधानमंत्री के रूप में ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ का मंत्र इसी सोच को व्यापक स्वरूप देता है। आज विकसित भारत-2047 का संकल्प इसी जनभागीदारी को राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति मानकर आगे बढ़ने का आह्वान करता है। ‘सेवा ज्योति कलश यात्रा’ अपने आप में भारतीय संस्कृति और राष्ट्रभावना का सुंदर संगम है। ज्योति हमारी परंपरा में प्रकाश, ज्ञान, आशा और सकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक है, जबकि कलश मंगल, पवित्रता और शुभ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। जब यही ज्योति और कलश सेवा के भाव से जुड़ते हैं, तब वे राष्ट्र निर्माण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का संदेश देते हैं।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शनों के खर्च से वित्तीय पारदर्शिता पर उठते सवाल

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के पिछले दिनों हुए तीन प्रदर्शनों के खर्च को लेकर राजनीतिक और बौद्धिक हलकों में चर्चा हो रही है। मुख्य सवाल यह है कि इन आयोजनों के लिए धन कहां से जुटाया जा रहा है? क्या आम लोगों के छोटे-छोटे स्वैच्छिक योगदान से ऐसे प्रदर्शन आयोजित किए जा सकते हैं या इसके पीछे कोई दूसरी आर्थिक व्यवस्था भी है? इन सवालों का जवाब आरोपों और अनुमानों के बजाय तथ्यों तथा वित्तीय पारदर्शिता के आधार पर तलाशना जरूरी है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक संगठन को सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन करने और जनसमर्थन जुटाने का अधिकार है। साथ ही, उसके आर्थिक संसाधनों और खर्च को लेकर सवाल उठाना भी स्वाभाविक है। विशेषकर तब, जब सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े आयोजन किये जाने की चर्चा हो, हालांकि केवल प्रदर्शन में जुटी भीड़ देखकर किसी संदिग्ध वित्तीय स्रोत का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। मीडिया में उपलब्ध जानकारीयों के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने बोस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की है। संगठन की स्थापना से पहले उन्होंने आम आदमी पार्टी की डिजिटल मीडिया टीम के साथ काम किया और दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग में संचार सलाहकार के रूप में भी सेवाएं दीं। उनकी यह पृष्ठभूमि राजनीतिक संचार, जनसंपर्क और मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में अनुभव को दर्शाती है लेकिन इससे उनकी वर्तमान आय, निजी आर्थिक स्थिति या संगठन के कार्यक्रमों में उनके व्यक्तिगत योगदान की जानकारी नहीं मिलती। इसी प्रकार, पार्टी के मुख्य प्रवक्ता बताए जाने वाले सौरभ दास स्वतंत्र खोजी पत्रकार और सूचना का अधिकार कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं। उपलब्ध विवरणों के अनुसार, उनकी आय का संबंध पत्रकारिता और विभिन्न मीडिया मंचों के लिए लेखन से है। वहीं, संगठन के रणनीतिकार और प्रवक्ता के रूप में चर्चित आशुतोष रांका आईआईटी कानपुर से पढ़े हैं और लंदन में मैकिसे में सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं। वह



दिल्ली असेंबली फेलोशिप सहित जनहित से जुड़े कार्यों में भी भागीदारी कर चुके हैं। इन तीनों की शैक्षणिक और पेशेवर योग्यताएं उनके अनुभव का परिचय देती हैं लेकिन इनके आधार पर संगठन की आर्थिक क्षमता या किसी संदिग्ध वित्तीय स्रोत की पुष्टि नहीं की जा सकती। इसके लिए आय, व्यय और चंदे से संबंधित ठोस जानकारी आवश्यक है। छोटे चंदे से बड़े आयोजन कितने संभव? कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से कथित तौर पर कहा जाता है कि प्रदर्शनों का खर्च स्थल पर रखे दानपात्र, आम लोगों के स्वैच्छिक योगदान और शुभचिंतकों की सहायता से पूरा किया जाता है। कुछ लोगों को यह व्यवस्था बड़े आयोजनों के खर्च के लिहाज से अपर्याप्त लग सकती है। लेकिन इस आशंका की पुष्टि के लिए वास्तविक खर्च और जुटाई गई राशि का विवरण जरूरी है। किसी प्रदर्शन की लातत प्रतिभागियों की संख्या, परिवहन, प्रचार सामग्री, ध्वनि उपकरण, बैनर, भोजन, पानी और आयोजन की अवधि पर निर्भर करती है। यदि प्रतिभागी अपने खर्च पर पहुंचते हैं, स्वयंसेवक बिना पारिश्रमिक काम करते हैं और प्रचार के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग होता है तो लागत कम भी हो सकती है। इसके विपरीत, व्यापक व्यवस्थाओं वाले कार्यक्रमों में खर्च बढ़ सकता है। इसलिए

सवाल यह नहीं कि प्रदर्शन बड़ा था तो धन का स्रोत भी असामान्य ही होगा। असल सवाल यह है कि आयोजनों पर कितना खर्च हुआ, धन किस माध्यम से मिला और उसका हिसाब किस प्रकार रखा गया। बैंक खाते और विदेशी फंडिंग का सवाल चर्चा में यह दावा भी सामने आता है कि संगठन का कोई पंजीकृत बैंक खाता नहीं है और उसे विदेशी फंडिंग नहीं मिलती। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि के बिना इन्हें अंतिम तथ्य मानना उचित नहीं होगा। संगठन का पंजीकरण, बैंक खाते का संचालन, चंदा स्वीकार करने के नियम और विदेशी स्रोतों से धन प्राप्त करने की पात्रता अलग-अलग विषय हैं। भारत में विदेशी अंशदान प्राप्त करने के लिए विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के प्रावधान लागू होते हैं। किसी संगठन को विदेशी धन मिलने के आरोप की पुष्टि राजनीतिक संबंधों, विचारधारा या किसी नेता के पुराने पेशेवर जुड़ाव से नहीं की जा सकती। इसके लिए वित्तीय दस्तावेज, बैंकिंग रिकॉर्ड या सक्षम एजेंसियों की जांच जैसे ठोस आधार चाहिए। यदि संगठन छोटे स्वैच्छिक योगदान से कार्यक्रम आयोजित करता है तो आयोजनवार खर्च, प्राप्त चंदे और भुगतान का विवरण सार्वजनिक करना उसके लिए उपयोगी होगा। इससे समर्थकों का भरोसा

बढ़ेगा और आलोचकों के सवालों का तथ्यपरक जवाब भी मिलेगा। विदेशी हाथ की आशंका और बांग्लादेश का उदाहरण कुछ लोगों की ओर से यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि अभिजीत दीपके के आम आदमी पार्टी की डिजिटल मीडिया टीम में काम करने और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों के बीच कोई बाहरी राजनीतिक प्रभाव तो नहीं है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की घटनाओं के संदर्भ में अमेरिका की भूमिका को लेकर व्यक्त संदेह भी इस चर्चा से जोड़े जा रहे हैं। हालांकि, इन दोनों बातों को जोड़कर भारत में किसी संगठन के प्रदर्शन के पीछे विदेशी हाथ होने का निष्कर्ष निकालना तर्कसंगत नहीं है। बांग्लादेश की राजनीतिक घटनाओं को लेकर व्यक्त आशंकाएं अपने आप में भारत में किसी संगठन को विदेशी सहायता मिलने का प्रमाण नहीं हैं। इसी तरह, किसी राजनीतिक दल की डिजिटल मीडिया टीम में काम करने का पूर्व अनुभव भी विदेशी फंडिंग या बाहरी निर्देशों का सबूत नहीं है। विदेशी हस्तक्षेप की आशंका को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता लेकिन उसकी जांच प्रमाणों के आधार पर ही होनी चाहिए। संगठित प्रचार और बड़े प्रदर्शनों को देखकर सवाल उठाना स्वाभाविक है, मगर सवाल उठाने और आरोप सिद्ध करने के बीच स्पष्ट अंतर है। पारदर्शिता से दूर होगा संदेह कॉकरोच जनता पार्टी अपने तीनों प्रदर्शनों के खर्च, चंदे के स्रोत और नकद तथा डिजिटल योगदान का विवरण सार्वजनिक करके इस चर्चा को तथ्यपरक दिशा दे सकती है। दूसरी ओर, मीडिया और आलोचकों की जिम्मेदारी है कि वे अपुष्ट आरोपों को तथ्य के रूप में प्रस्तुत न करें। अंततः इस प्रकरण का समाधान न अंधसमर्थन में है और न ही बिना प्रमाण संदेह करने में। जरूरत है आय-व्यय के स्पष्ट हिसाब, वित्तीय स्रोतों की विश्वसनीय जानकारी और अनियमितता के प्रमाण मिलने पर निष्पक्ष जांच की। लोकतंत्र में प्रदर्शन की स्वतंत्रता जितनी महत्त्वपूर्ण है, उतनी ही जरूरी सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही भी है। इसलिए सबसे अहम सवाल यही है कि राजनीतिक संगठनों के वित्तीय स्रोतों में पारदर्शिता कैसे सुनिश्चित की जाय। (लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)



ओरिगैनो को घर के अन्दर कैसे उगाएं

इस लेख में घर पर गमले में ओरिगैनो कैसे उगाएं, के बारे में बताया गया है। ओरिगैनो का वैज्ञानिक नाम ओरिजिनम वलगारे है। यह एक बारहमासी जड़ी-बूटी अर्थात हर्ब्स है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होती है। ओरेगेनो में प्रोटीन, फैट, फाइबर और मिनरल्स जैसे कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन और निकोटिनिक एसिड पाये जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। घर पर गमले में ओरिगैनो को आसानी से उगाया जा सकता है, घर पर गमले में ओरिगैनो का पौधा कैसे लगाएं तथा ओरिगैनो के पौधे की देखभाल कैसे करें, साथ ही इनडोर ओरिगैनो उगाने के टिप्स व विधि के बारे में जानने के लिए इस लेख को पूरा पढ़ें।

ओरिगैनो उगाने के लिए सही समय

गर्म जलवायु में घर पर गार्डन या गमले की मिट्टी में ओरिगैनो को वर्षभर उगाना संभव है, अगर आप इसे इनडोर लगाना चाहते हैं तो आप ओरिगैनो को सालभर किसी भी महीने में लगा सकते हैं, लेकिन अगर आप इसे घर के बाहर गार्डन में लगाना चाहते हैं तो शुरूआती गर्मी का समय ओरिगैनो लगाने के लिए सही है।

ओरिगैनो उगाने के लिए बीज

पाँट में ओरिगैनो को बीज से उगाना आसान है, बीज से उगाने पर इसे बढ़ने तथा कटाई के लिए तैयार होने में लगभग 3 महीने का समय लग सकता है।

ओरिगैनो के बीज अंकुरण का समय

गर्म वातावरण में ओरिगैनो के बीज अच्छी तरह व तेजी से अंकुरित होते हैं। बीज लगाने के लगभग 7-14 दिन के अन्दर बीज अंकुरित हो जाएंगे। मिट्टी का तापमान 18 एष्ट से 21एष्ट के बीच होने पर बीज तेजी से उगते हैं।

ओरिगैनो उगाने के लिए आवश्यक मिट्टी

6.5 से 7 पीएच (PH) मान वाली थोड़ी अम्लीय से तटस्थ अच्छी जल निकास तथा पोषक तत्वों से युक्त रेतीली मिट्टी में ओरिगैनो का पौधा अच्छी तरह से उगता है। गमले की मिट्टी को और अधिक उपजाऊ बनाने के लिए आप इसमें जैविक खाद जैसे वर्मीकम्पोस्ट, पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद, बोन मील और नीम केक इत्यादि मिला सकते हैं। अगर पौधे लगाने के लिए आपके पास अतिरिक्त मिट्टी उपलब्ध नहीं है तो आप पोटींग मिश्रण का उपयोग भी कर सकते हैं, जो अच्छी तरह से पोषक तत्वों से भरपूर होती है।

ओरिगैनो लगाने के लिए बेटर गो बैग

चूँकि ओरिगैनो के पौधे की जड़ें अधिक गहराई तक नहीं फैलती अर्थात उथली होती हैं, इसलिए इसे उगाने के लिए आपको अधिक गहराई वाला गमला लेने की आवश्यकता नहीं है। इनडोर ओरिगैनो को आप कम गहराई वाले गमले में आसानी से उगा सकते हैं। ओरिगैनो



लगाने के लिए आप निम्न आकार के गमले या ग्रा बीग ले सकते हैं-

- 18 × 6 इंच (चौड़ाई × ऊंचाई)
- 24 × 6 इंच (चौड़ाई × ऊंचाई)
- 9 × 9 इंच (चौड़ाई × ऊंचाई)

नोट : आप अपनी सुविधा के अनुसार गमले या ग्रा बैग का साइड चुन सकते हैं।

ओरिगैनो लगाने के लिए सही जगह

गर्म वातावरण में ओरिगैनो का पौधा अच्छी तरह ग्रो करता है, घर पर गमले में इसे उगाने के लिए आपको ऐसे स्थान को चुनना होगा, जहाँ पौधे को पर्याप्त मात्रा में प्रतिदिन लगभग 6-8 घंटे धूप मिलती हो। इनडोर लगाने के लिए आप किसी धूप वाली खिड़की को जगह चुन सकते हैं।

गमले में ओरिगैनो लगाने की विधि

ओरिगैनो को बीज या कटिंग, दोनों ही तरीकों से लगाया जा सकता है, घर पर ओरिगैनो को बीज से उगाने के लिए आप आगे बताए गये टिप्स अपना सकते हैं, जो निम्न प्रकार हैं।

- अतिरिक्त जल निकासी वाले गमले या ग्रा का चयन करें।
- गमले में उपयोगी मिट्टी को भरें।
- मिट्टी भरते समय गमले को ऊपर से थोड़ा खाली रखें, ताकि पानी डालते समय मिट्टी बाहर न निकले।
- अब ओरिगैनो के बीजों को मिट्टी में छिड़ककर मिट्टी की एक पतली परत से बीजों को ढक दें।
- ओरिगैनो लगे हुए गमले की मिट्टी को पानी दें, ताकि मिट्टी नम हो जाए।

टिप्स : ओरिगैनो के बीज को अंकुरण के समय भी सूर्य प्रकाश की आवश्यकता होती है, इसलिए बीज लगे हुए गमले या ग्रा बैग को ढक कर न रखें। बीज अंकुरित

होने के लिए गमले को अप्रत्यक्ष रूप से रोशनी में रखें।

ओरिगैनो के पौधे की देखभाल

कई बार ओरिगैनो के बीज अंकुरित होने के बाद भी पौधे बढ़ते नहीं है, ऐसा पौधे की देखभाल में कमी के कारण हो सकता है, पर्याप्त मात्रा में पानी, धूप, उर्वरक इत्यादि न मिलने के कारण भी पौधे की ग्रोथ रुक जाती है, इसलिए आपको अपने गमले में लगे हुए ओरिगैनो के पौधे को उचित देखभाल करने की आवश्यकता है। ओरिगैनो के पौधों की देखभाल के तरीके निम्न हैं-

ओरिगैनो के पौधे को दें पानी

गार्डन में लगे पौधे को नियमित रूप से पानी देना चाहिए, जब मिट्टी शुष्क हो तब पौधे को पानी दें, एक बार ओरिगैनो का पौधा लगने के बाद इसे बार-बार पानी देने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि यह सूखा सहनशील पौधा है। जरूरत से ज्यादा पानी पौधे को मार सकता है, इसलिए

इन टिप्स की मदद से करें पौधों की देखभाल, हो जाएंगे हरे-भरे



पौधों की देखभाल के लिए आप कुछ बातों का ध्यान जरूर रखें। इससे आपके पौधे हर वक हरे-भरे रहेंगे। पौधों को सिर्फ पानी ही नहीं और भी चीजों की जरूरत होती है। अगर आप पौधों को रोजाना पानी दे रहे हैं और फिर भी पौधे मुरझा रहे हैं, तो समझ जाएं कि आपके पौधों की सही से देखभाल नहीं हो रही है। इस आर्टिकल में जानें पौधों की देखभाल करने के लिए 5 आसान और असरदार टिप्स।

पौधों की देखभाल कैसे करें

पौधों की देखभाल के लिए सबसे जरूरी है कि आप उन्हें धूप में रखें। कुछ ही पौधे ऐसे हैं, जिन्हें धूप की जरूरत नहीं होती। पौधों की पत्ती और फूलों को हमेशा खिला-खिला रखने में धूप बहुत मदद करती है। धूप एक तरह से पौधों के खाने के लिए है। (तेज धूप में झुलस रहे हैं पौधे और नहीं हो रही ग्रोथ तो अपनाएं ये टिप्स)
पौधों के लिए खाद है फायदेमंद

पौधों के लिए खाद बहुत फायदेमंद होती है। कोशिश करें कि आप मार्केट से बनी बनाएं खाद ना खरीदें। फलों और गाय के गोबर से बनी खाद में किसी भी तरह के केमिकल नहीं मिले होते हैं। प्राकृतिक खाद से पौधों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं

मिलता है।

पौधों की कटाई क्यों करनी चाहिए?

अगर आपके पौधों का कोई भी हिस्सा सड़ा हुआ या खराब है, तो आप उसे तुरंत काट दें। बहुत बार लोग पौधों के खराब हिस्से को नजरअंदाज कर देते हैं, जिस वजह से पूरा पौधा खराब हो जाता है।

पौधों पर कीटनाशक जरूर डालें

पौधों पर कीड़े लगने की वजह से भी ग्रोथ रुक जाती है, इसलिए महीने में 1 से 2 बार पौधों पर कीटनाशक जरूर छिड़कें। ध्यान रखें कि जरूरत से ज्यादा कीटनाशक भी पौधों के लिए नुकसानदायक होते हैं।

पौधों को ज्यादा धूप लगवाने से बचें

इन सभी टिप्स के अलावा आप पौधों को ज्यादा देर के लिए धूप में ना रखें। पौधों पर जरूरत से ज्यादा धूप पड़ने पर पौधे मुरझा जाते हैं। अगर हमारीस्टोरी से जुड़े आपके कुछ सवाल हैं, तो वो आप हमें आर्टिकल के नीचे दिए कमेंट बॉक्स में बताएं। हम आप तक सही जानकारी पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे। अगर आपको ये स्टोरी अच्छी लगी है, तो इसे शेयर जरूर करें।

अपने घर के गार्डन को आप 50 रुपए से कम में भी अच्छा बना सकते हैं ?

अपने घर के गार्डन को आप 50 रुपए से कम में भी अच्छा बना सकते हैं? चलिए आपको इससे जुड़े कुछ हैक्स के बारे में बताते हैं। गार्डन में ढेरों फूल खिले हों और फलों वाले पौधों में ढेर सारे फल लगे हों तो यकीनन मन खुश हो जाता है। गार्डनिंग करना कई लोगों को पसंद होता है, लेकिन वो इस बारे में समझ नहीं पाते हैं कि आखिर किस तरह से वो अपने गार्डन को मंटेन करें। एक बात यहां समझने वाली है कि कई बार लोग गार्डन में बहुत सारी चीजों का इस्तेमाल करते हैं और बहुत पैसे भी खर्च कर देते हैं, लेकिन उसके बाद भी उन्हें मन के हिसाब से रिजल्ट नहीं मिलता। गार्डन की केयर करने के लिए बहुत सारा पैसा नहीं बल्कि कुछ स्मार्ट टिप्स अपनाने की जरूरत होगी। अगर आपको कम बजट में अपने गार्डन की रंगत को ही बदलना है तो चलिए आपको कुछ हैक्स के बारे में बताते हैं।

सेल्फ वाटरिंग प्लांट्स

अगर आप अपने गार्डन में बार-बार पानी डालना भूल जाते हैं तो आप घर पर पड़ी हुई पुरानी बोतलों से सेल्फ वाटरिंग प्लांटर बना सकती हैं। इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी होगी और अगर आपके पास कांच की बोतलें जैसे शराब की पुरानी बोतल है तो वो और भी अच्छी साबित होगी।

तया करें?

इसके लिए आपको एक भी रुपया खर्च करने की जरूरत नहीं होगी बस मिट्टी को आप ड्रेनिंग बनाएं। करना ये है कि बोतल में पानी भरकर गमले में या जमीन पर पौधे की जड़ के पास उल्टा गाड़ दें यानी बोतल का मुंह जमीन के अंदर होना चाहिए। ऐसे में जैसे-जैसे पानी सूखेगा बोतल का पानी मिट्टी में एब्जॉर्ब होता जाएगा। हालांकि, ये ऐसे पौधों पर ही करें जिन्हें हमेशा ही नमी की जरूरत है क्योंकि इसके बाद पौधे हमेशा नम रहेंगे।

नोट : यहां इस बात का ध्यान रखें कि बोतल का ढक्कन लगा हुआ होना चाहिए और उसमें छोटा सा छेद होना चाहिए ताकि थोड़ा-थोड़ा पानी ही जाए।

छोटे पौधों के लिए दालचीनी पाउडर

जब भी बात छोटे पौधों की होती है तो ये डर होता है कि फंगस के कारण वो खराब तो नहीं हो जाएंगे। यकीनन छोटे पौधे कीड़ों और फंगस आदि के कारण जल्दी खराब होने लगते हैं। ऐसे में दालचीनी पाउडर आपके काम आ सकता है जिसका एक पैकेट 50 रुपये से कम कीमत में आ जाएगा।

तया करें?

बस थोड़ा-थोड़ा दालचीनी पाउडर आप छोटे पौधों पर छिड़क दें। हां, इसे ज्यादा ना डालें वरना पौधे खराब भी हो सकते हैं।

पौधों की ग्रोथ के लिए कॉफी के बीज

कॉफी के बीज आपको आसानी से किसी भी जनरल स्टोर पर मिल जाएंगे और इनकी मदद से आप अपने पौधों को फर्टिलाइजर भी कर सकते हैं और चींटियों और कीड़ों को दूर भी कर सकते हैं। हां, इनका इस्तेमाल हमेशा एसिडिक पौधों के लिए करना चाहिए जिन्हें नाइट्रोजन से भरपूर फर्टिलाइजर



अच्छा लगता है।

तया करें?

यहां पर कॉफी ग्राउंड्स की जरूरत होगी। कॉफी के बीज अगर आप कॉफी मशीन में डालकर उनकी मदद से कॉफी बनाएं तो बचा हुआ कचरा कॉफी ग्राउंड्स कहलाता है। बस इन्हें आपको मिट्टी के साथ मिलाएं। ये फर्टिलाइजर और कीटनाशक दोनों का काम करेगा।

सफेद सिरके से पाएं खरपतवार से छुटकारा

आप अपने गार्डन में सफेद सिरके की मदद से खरपतवार को हटाने का काम भी कर सकते हैं। दरअसल, ये सफेद सिरका बहुत ही अच्छी तरह से गार्डन के पौधों को साफ कर सकता है। नहीं-नहीं यूजफुल पौधों में इसे ना डालें बल्कि ये तो खरपतवार के लिए है।

तया करें?

बस थोड़ा सा सफेद सिरका इन पौधों में डाल दें और फिर देखें कमाल। ये पौधे अपने आप ही मर

जाएंगे और आपको किसी अन्य तरह का पेस्टिसाइड यूज करने की जरूरत नहीं होगी।

प्याज के छिलकों का फर्टिलाइजर

आप अपने गार्डन में फूलों और फलों की पैदावार बढ़ाने के लिए हमेशा प्याज के छिलकों का फर्टिलाइजर इस्तेमाल कर सकते हैं।

तया करें?

प्याज और लहसुन के छिलकों को तीन दिनों तक पानी में डालकर रख दें। इसके बाद इस पानी को छानकर तीन लीटर पानी में मिलाकर उस पानी को अपने पौधों में मिलाएं। इससे पौधों की ग्रोथ बढ़ेगी। आप इसे हर 15-25 दिन में इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर कम स्पेस में बनाया है होम गार्डन, तो सब्जियों से लेकर फूल उगाने तक ये 5 टिप्स आएंगे काम

50 रुपये से कम में कैसे करें गार्डन को डेकोरेट?

अभी आपको 50 रुपये से कम लागत वाले

ओवर वाटरिंग से बचें।

ओरिगैनो के पौधे को दें पर्याप्त धूप

उचित मात्रा में सूर्य प्रकाश न मिलने पर ओरिगैनो के पौधे की ग्रोथ रुक सकती है, क्योंकि यह गर्म जलवायु में उगने वाला पौधा है जिसे अच्छी तरह बढ़ने तथा ग्रो करने के लिए रोजाना 6-8 घंटे की धूप की जरूरत होती है।

ओरिगैनो के पौधे को दें आवश्यक खाद

इनडोर लगे हुए ओरिगैनो के पौधे को घर के बाहर गार्डन में लगे हुए पौधे की तुलना में अधिक खाद देने की आवश्यकता होती है, इसलिए ओरिगैनो के पौधे को नियमित रूप से पोषक तत्व प्रदान करें। आप हर 25-30 दिन के अन्दर पौधे को जैविक खाद दे सकते हैं। अपने ओरिगैनो के पौधों को जैविक खाद 10-10-10 (नाइट्रोजन, फस्फोरस और पोटेशियम) से शुरू करें और बढ़ने पर आप इसे 10-5-5 लिक्विड के रूप में पानी के साथ घोल बना कर दे सकते हैं।

ओरिगैनो के पौधे को कीटों से कैसे बचाएं

एफिड्स और स्पाइडर माइट्स जैसे कीट कभी-कभी ओरिगैनो के पौधों को प्रभावित करते हैं तथा इनडोर लगे ओरिगैनो के पौधे, मकड़ी के लिए भी संवेदनशील होते हैं, कीटों के नियंत्रण के लिए हर दूसरे दिन पानी के स्प्रे से हल्के संक्रमण को रोका जा सकता है। इसके अलावा पौधे से जिड़ी संक्रमण को हटाने के लिए आप उपयुक्त कीटनाशक या नीम तेल का स्प्रे कर सकते हैं।

प्रुनिंग से बड़ाएं ओरिगैनो के पौधे की ग्रोथ

ओरिगैनो का पौधा लगभग 4 इंच का होने पर आप इसकी कटाई-छटाई (pruning) कर सकते हैं, जो पौधे को फलने फूलने से रोकेगा। प्फ्रनिंग पौधे की ग्रोथ तेजी से बढ़ने में मदद करता है साथ ही आप इसकी हरी पत्तियों का उपयोग ज्यादा से ज्यादा कर सकते हैं।

ओरिगैनो की कटाई का समय

घर पर गमले में बीज से ओरिगैनो उगाने पर उचित देखभाल के साथ 3 महीने के अन्दर आपको ओरिगैनो के पौधे तैयार मिल जायेंगे, जिसकी पत्तियों को तोड़कर या काटकर आप अपनी रसोई में इनका इस्तेमाल खाने में स्वाद बढ़ाने तथा अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों में इसका स्वाद जोड़ने के लिए कर सकते हैं। शुरूआत में थोड़ा बड़ा होने पर भी आप इसकी युवा पत्तियों को कम मात्रा में तोड़कर इस्तेमाल कर सकते हैं।

निकास्य

यह आर्टिकल ओरिगैनो के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए लिखा गया है इसमें आपने जाना कि, घर पर गमले में ओरिगैनो कैसे उगाएं, इनडोर ओरिगैनो लगाने की विधि व तरीके क्या हैं तथा ओरिगैनो के पौधे की देखभाल कैसे करें और भी बहुत कुछ जाना।



टीवी सीरीज ‘ब्रेकिंग बैड’ स्टार आरजे मिट्टे का 34 साल की उम्र में निधन, फैस सदमे में

बोले- प्यारा इंसान, समाजसेवी और दिव्यांगों की मदद करने वाला शख्स अब नहीं रहा

टेक्सास। नाना पाटेकर के निधन के अब चिने प्रेमियों को एक और दुख मिला। हॉलीवुड के मशहूर टीवी सीरीज ‘ब्रेकिंग बैड’ में वाल्टर व्हाइट जूनियर का किरदार निभाकर दुनिया भर में पहचान बनाने वाले स्टार आरजे मिट्टे का 34 साल की उम्र में निधन हो गया। इस खबर ने उनके फैस और मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। उनका निधन सोमवार को ब्राउन्सविले, टेक्सास में हुआ उनके भारतीय फैस इस बात से परेशान हैं कि जवाँ एक्टर को आखिर ऐसा क्या हुआ कि अचानक उनकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरजे मिट्टे सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि दिव्यांग लोगों के हक में



आवाज उठाने के लिए भी जाने जाते थे। वह चाहते थे कि फिल्मों और टीवी की दुनिया में दिव्यांग लोगों को भी बराबर मौके मिलें उनके निधन की खबर देते हुए उनके



करीबियों ने उन्हें एक प्यारा इंसान, समाजसेवी और दिव्यांग लोगों की मदद करने वाला शख्स बताया। मीडिया रिपोर्ट उनके निधन की खबर देते हुए उनके

समयानुसार दोपहर करीब 1०30 बजे आरजे मिट्टे को मृत घोषित किया गया। वह जिस जगह मृत पाए गए, उसे अधिकारी ने उनका संभावित घर बताया। उन्होंने कहा कि मौत की वजह का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। उनके प्रतिनिधियों ने एक बयान जारी कर दुख जताया। आरजे मिट्टे को सबसे ज्यादा लोकप्रियता अमेरिकी क्राइम ड्रामा सीरीज ‘ब्रेकिंग बैड’ से मिली थी। साल 2008 से 2013 तक प्रसारित इस सीरीज के पांचों सीजन में उन्होंने ‘वॉल्टर ‘फ्लिन’ व्हाइट जूनियर का किरदार निभाया था। वह सीरीज के कुल 56 एपिसोड में नजर आए। इस शो में उनके पिता का किरदार अभिनेता ब्रायन क्रैस्टन ने निभाया था। कहानी में फ्लिन एक ऐसा किरदार था, जो अपने परिवार को उथल-पुथल के बीच अपनी अलग पहचान

रखता है। आरजे को इस भूमिका के लिए इसलिए भी सराहना मिली, क्योंकि वह वास्तविक जिंदगी में भी सेरेब्रल पाल्सी के साथ जी रहे थे। आरजे मिट्टे का जन्म 21 अगस्त 1992 को हुआ था। उनका पूरा नाम रॉय फ्रैंक मिट्टे-3 था। महज 3 साल की उम्र में सेरेब्रल पाल्सी नाम की न्यूरोलॉजिकल बीमारी का पता चला था। इसके बावजूद उन्होंने अपने अभिनय के जुनून को कभी कम नहीं होने दिया। साल 2006 में वह हॉलीवुड पहुंचे। इससे पहले 2007 में उन्होंने टीवी शो ‘हाना मोंटाना’ के एक एपिसोड में छोटा-सा रोल किया था। एक्टिंग से इतर वे ‘यूनाइटेड सेरेब्रल पाल्सी’ और ‘श्राइनर्स चिल्ड्रन’ के ब्रांड एंबेसडर और ‘मिटे फाउंडेशन’ के अध्यक्ष के रूप में भी समाजसेवा में सक्रिय रहे।

जेलैन्स्की 60 दिन के पूर्ण युद्धविराम पर हुए तैयार

इसी दौरान यूक्रेन में हंगे राष्ट्रपति के चुनाव

कोव। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलैन्स्की पर नाराज दिख रहे हैं, उन्होंने यूक्रेन में नए राष्ट्रपति की मांग पर जोर दिया है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलैन्स्की ने कहा कि वह सिर्फ 60 दिनों के भीतर राष्ट्रपति चुनाव करवाने के लिए तैयार हैं, लेकिन एक बड़ी शर्त के साथ। उनकी शर्त है कि इन चुनावों से पहले रूस और यूक्रेन के बीच 60 दिनों का पूर्ण युद्धविराम (सीजफायर) होना चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच एनर्जी सीजफायर की घोषणा की है, जिसका अर्थ है कि यूक्रेन रूस की रिफाइनरियों पर हमला नहीं करेगा, और बदले में रूस भी यूक्रेन के बिजली इन्फ्रास्ट्रक्चर को निशाना नहीं बनाएगा। ट्रंप के इस बयान के बाद कि क्या जेलैन्स्की का समय खत्म होने वाला है, वैश्विक स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। जेलैन्स्की ने एक इंटरव्यू में इसका जवाब देते हुए कहा, पुतिन से कहें कि वह हमें 60

दिनों का समय दें। 60 दिनों के पूर्ण युद्धविराम के बाद हम चुनाव करवाने के लिए तैयार हैं। जेलैन्स्की ने स्पष्ट किया कि युद्ध विराम के बाद ही चुनाव कराने के लिए जरूरी हालात बनेंगे, क्योंकि जब तक युद्ध जारी है, देश में मार्शल लाॅ लागू है और ऐसी स्थिति में चुनाव नहीं करवाए जा सकते। यूक्रेन के सामने यह नई चुनौती अमेरिका में होने वाले मिडटर्म चुनावों से जुड़ी दिख रही है। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में घोषणा की थी कि उन्होंने रूस से डीजल खरीदने के लिए समझौता किया है, जिससे वैश्विक बाजार में तेल की कीमतों में कमी आएगी। ट्रंप को इस समझौते की जरूरत इसलिए पड़ी क्योंकि अमेरिका में अधिकांश माल हुलाई ट्रकों के जरिए होती है, और डीजल की बढ़ी हुई कीमतें उनके वोट बैंक को प्रभावित कर रही थीं। डीजल की कीमतें जल्दी कम करने के लिए ट्रंप के पास रूस के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था, जिसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच यह अप्रत्याशित समझौता हुआ। ट्रंप के इस फैसले की शुरुआत में जेलैन्स्की ने आलोचना भी की थी।

रूसी लैब में कर्मचारी की मौत, 5500 नमूनों की जांच के बाद भी सस्पेंस बरकरार

न्यूयॉक। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि प्लेग और अन्य बीमारियों संबंधी शोध पर ध्यान केंद्रित करने वाली रूस की प्रयोगशाला में कार्यरत एक महिला कर्मचारी की मौत का कारण अब भी पता नहीं चल पाया है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने शुरुआती अपुष्ट खबरों का हवाला देते हुए कहा कि कर्मचारी की मौत संभवतः न्यूमोनिक प्लेग से हुई है। यह एक गंभीर बीमारी है, जिसके मामले मध्य युग में ब्लैक डेथ महामारी से जुड़े ब्यूबोनिक प्लेग की तुलना में कम पाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डब्ल्यूएचओ ने इस महीने की शुरुआत में मामला सामने आने के बाद जारी

अपनी पहली विस्तृत रिपोर्ट में मामले की जांच जारी रखने का आह्वान किया है। संगठन ने कहा कि रूस के स्वास्थ्य अधिकारियों ने 5,500 से ज्यादा नमूनों की जांच की हैं, लेकिन इनमें किसी खतरनाक रोगजनक सूक्ष्मजीव की मौजूदगी का कोई प्रमाण नहीं मिला। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि स्थिति का अधिक सटीक आकलन करने के लिए चिकित्सकीय जांच, महामारी विज्ञान और प्रयोगशाला से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी की जरूरत है। साथ ही, यह पुष्टि होना भी जरूरी है कि प्रयोगशाला में कार्यरत कर्मचारी की मौत किस बीमारी से हुई थी। डब्ल्यूएचओ ने एक कथित दूसरे मामले का भी उल्लेख किया है।

जिबूती तट पर नाव पलटी, 139 प्रवासियों की मौत, 15 बच्चे शामिल

जिबूती सिटी। जिबूती के तट के पास एक हृदय विदारक घटना में लगभग 350 प्रवासियों को ले जा रही एक नाव के पलटने से कम से कम 139 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में 15 बच्चे भी शामिल हैं। इस भीषण हादसे के बाद 84 से ज्यादा लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं, जिनकी तलाश जारी है। यह दर्दनाक घटना उस समय घटी जब प्रवासी नाव के जरिए जिबूती से यमन की ओर जाने का प्रयास कर रहे थे। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने इस दुर्घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि स्थानीय अधिकारी बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान चला रहे हैं ताकि लापता लोगों का पता लगाया जा सके। संगठन के अनुसार, अब तक बरामद किए गए शवों में 52 यूरुष, 42 महिलाएं और 15 बच्चे शामिल हैं। जो इस त्रासदी की गंभीरता को दर्शाते हैं। इस भयावह नौका दुर्घटना में 80 से अधिक लोग जीवित बचने में सफल रहे हैं, और ये सभी इथियोपियाई नागरिक बताए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन की टीमें स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर जीवित बचे लोगों को तत्काल आपातकालीन सहायता और आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही, मृतकों के सम्मानजनक अंतिम संस्कार की व्यवस्था भी की जा रही है।

मैंने हमेशा लोगों के हित में फैसले लिए, मेरी नीति ‘अमेरिका फर्स्ट’ है

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से डीजल खरीदने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि यह सौदा अमेरिका के हित में है। ट्रम्प ने दावा किया कि यूरोपीय संघ ने भी रूस से ऊर्जा खरीदने पर 250 अरब डॉलर खर्च किए हैं, लेकिन अमेरिकी मीडिया इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है। ट्रम्प ने दूरस्थ सोशल पर लिखा- इयू ने रूस को ऊर्जा के लिए 250 अरब डॉलर दिए, लेकिन फेक न्यूज मीडिया इस खबर पर बात नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा कि उन्होंने हमेशा अमेरिकी लोगों के हित में फैसले लिए हैं और उनकी नीति ‘अमेरिका फर्स्ट’ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प ने कहा था कि रूस तुरंत 3 लाख टन से ज्यादा डीजल अमेरिका भेजेगा।

रियाद एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों का फिर हमला: एक की मौत, 11 घायल

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद का किंग खालिद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक बार फिर हूती विद्रोहियों के निशाने पर आ गया है। हालिया मिसाइल हमले में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह रियाद एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है, जिसने सऊदी अरब की चिंता और बढ़ा दी है। सऊदी की अगुवाई वाले संयुक्त बल ने बताया कि मिसाइल हमला किंग खालिद एयरपोर्ट के टर्मिनल 4 पर हुआ। हालांकि, एयरपोर्ट के पास ही कई मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया। इसके बावजूद दक्षिणी सऊदी अरब सहित कई शहरों में हमले का अलर्ट जारी कर दिया गया है। इससे पहले भी हूती विद्रोहियों के एक बड़े हमले में 13 लोगों की जान चली गई थी और 300 से अधिक लोग बुरी तरह घायल हुए थे। इस हमले में मरने वालों में भारत, बांग्लादेश, फलस्तीन, अमेरिका, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक

नागरिक शामिल थे। भारतीय दूतावास ने पुष्टि की थी कि मृतकों में हैदराबाद का एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। दूतावास ने मृतक के परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए पार्थिव शरीर को जल्द भारत भेजने के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन दिया था और कहा था कि वे परिवार के संपर्क में हैं। भारत ने आम नागरिकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर किए जा रहे इन हमलों की कड़ी निंदा की है। भारतीय दूतावास ने अपने नागरिकों को रियाद एयरपोर्ट से दूर रहने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। वहीं, भारत के विदेश मंत्रालय ने इन हमलों को कायदापूरा और अस्वीकार्य करार देते हुए इन्हें तुरंत रोकें जाने की मांग की है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम पिछले कुछ दिन में रियाद के किंग खालिद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बार-बार किए गए हमलों की कड़ी निंदा करते हैं।

रहमान बाबा एक्सप्रेस बेपटरी होने से 5 की मौत, 30 घायल

पेशावर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मंगलवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा हो गया। कराची से पेशावर जा रही यात्री ट्रेन रहमान बाबा एक्सप्रेस मुल्तान में शेर शाह पुल के पास सुबह लगभग 5०15 बजे अचानक पटरी से उतर गई। इस दर्दनाक हादसे में करीब पांच यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत बल मौके पर पहुंचे। बचाव कर्मियों ने मुस्ती दीखाकर ट्रेन की 13 बोगियों को खाली करा लिया है, जबकि एक क्षतिग्रस्त बोगी में फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है। सभी घायलों को तुरंत मुल्तान के निशतर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारणों को लेकर यात्री ने दावा किया कि यात्रा के दौरान रोहरी के पास रेलवे कर्मचारियों ने बोगी नंबर-नौ के नट-बोल्ट की मरम्मत की थी, हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे पर गहरा दुःख जाहिर किया है। उन्होंने अधिकारियों को राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों को हर संभव बेहतर इलाज मुहैया कराने का कड़ा निर्देश दिया है।

सक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भड़का ईरान, उठाए सवाल

तेहरान। ईरानी सांसद मोहसेन जंगनेह ने इस्लामाबाद की शांति की कोशिशों का उपहास करते हुए उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठाया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस्लामाबाद की विदेश नीति पर अमेरिका का सीधा असर रहता है। यह पहली बार नहीं है जब ईरान ने पाकिस्तान की निष्पक्षता पर इस तरह के सवाल उठाए हैं। सांसद जंगनेह ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का जिक्र करते हुए कहा कि उनके द्वारा पोस्ट किए गए ट्वीट भी अमेरिकियों द्वारा लिखे जाते हैं। दरअसल, जंगनेह यहां उस घटना का हवाला दे रहे थे, जब एक पाकिस्तानी नेता द्वारा की गई पोस्ट के अंत में गलती से एक ऐसी पंक्ति रह गई थी, जिससे यह साफ समझ आ रहा था कि ट्वीट किसी और द्वारा तैयार कर उन्हें भेजा गया था। उस समय इस ट्वीट को लेकर उनकी काफी आलोचना हुई थी और पाकिस्तान का मजकब भी बना था। पाकिस्तान के साथ दोस्ती पर संदेह जताते हुए, जंगनेह ने अफगानिस्तान के साथ ईरान की दोस्ती की तारीफ की। उन्होंने दोनों देशों को भरोसेमंद क्षेत्रीय सहयोगी बताया और कहा कि उनके संबंधों में लगातार सुधार हो रहा है। वहीं, डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद पाकिस्तानी नेता लगातार उनकी गुड बुक्स में रहने की कोशिश करते हुए नजर आए हैं। फिर चाहे ट्रंप को शांति के नोबेल के लिए नामांकन करना हो या उनके द्वारा बनाए गए संयुक्त में खुलकर शामिल होना हो, पाकिस्तान लगातार अमेरिका का पक्ष लेता नजर आया है। ईरान के साथ जारी अमेरिकी संघर्ष में मध्यस्थता के लिए भी वाशिंगटन ने इस्लामाबाद को ही चुना, क्योंकि उन्हें यकीन था कि पाकिस्तान उन्हीं का साथ देगा। ईरान की तरफ से भी इस मुद्दे को समय के साथ कई बार उठाया गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ईरान की तरफ से आ रहे ऐसे बयान तेहरान और इस्लामाबाद के बीच बढ़ते अविश्वास को दर्शाते हैं। इस तीखी प्रतिक्रिया से मध्य-पूर्व के मामलों में खुद को एक विश्वसनीय शांतिदूत के तौर पर पेश करने की पाकिस्तान की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं, और दोनों देशों के बीच युद्ध अभी भी जारी है।

व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी जकारिया ट्रंप की करीबी और भरोसेमंद सहयोगी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ नजर आने वाली केटी जकारिया इन दिनों चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें सामने आने के बाद लोग उनके बारे में जानने के लिए बेताब हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने उन्हें व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी बनाया है। वह इस पद पर कैरोलिन लेविट की जगह लेंगी। केटी प्रेस से वकील हैं और अमेरिकी राजनीति और मीडिया जगत में कंजर्वेटिव कम्युनिकेटर के रूप में पहचान बना चुकी हैं। केटी जकारिया को ट्रंप का करीबी और भरोसेमंद सहयोगी बताया जाता है। ट्रंप ने उनकी नियुक्ति की घोषणा सोशल मीडिया मंच ट्विटर सोशल पर की। उनके मुताबिक केटी प्रशासन की नीतियों और फैसलों को मीडिया और जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी का काम राष्ट्रपति और प्रशासन के विचारों की मीडिया के सामने रखना, निर्णायक प्रेस ब्रीफिंग करना और पत्रकारों के सवालों का जवाब देना होता है। जकारिया की शैक्षणिक पृष्ठभूमि कानून और राजनीति से जुड़ी है। उन्होंने कैलिफोर्निया स्थित पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की। इसके बाद इसी विश्वविद्यालय के कारूसो स्कूल ऑफ लॉ से कानून की डिग्री हासिल की। व्हाइट हाउस पहुंचने से पहले केटी ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में वरिष्ठ संचार सलाहकार के तौर पर काम कर चुकी हैं। यह कंपनी दूरस्थ सोशल मंच का संचालन करती है। इस भूमिका में उन्हें ट्रंप के राजनीतिक संदर्शों और संचार रणनीति से जुड़े काम करने का अनुभव मिला। वे 20२4 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी उन्होंने ट्रंप के चुनावी अभियान में भूमिका निभाई थी। बताया जाता है कि उन्होंने कई अहम रण्यों में संचार संबंधी जिम्मेदारियां संभाली थीं, जहां चुनावी मुकाबला कड़ा माना जा रहा था। इसके अलावा केटी ने अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग में भी प्रवक्ता और उप सहायक सचिव के रूप में काम किया था। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने मार्च 2026 में इस जिम्मेदारी से अलग होने का फैसला किया। रिपोर्ट के मुताबिक केटी जकारिया की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिकी प्रशासन और मीडिया के बीच संवाद की भूमिका काफी अहम है।

ब्लैक होल अपनी मेजबान गैलेक्सियों की तुलना में होते हैं बेहद छोटे : शोध

वाशिंगटन। अंतरिक्ष में पाए जाने वाले सुपरमैसिव ब्लैक होल आकार में गैलेक्सियों की तुलना में बेहद छोटे होते हैं। अंतरिक्ष में ये छोटे दिखने वाले ब्लैक होल पूरी गैलेक्सी के भविष्य को बदल सकते हैं। अब उस प्रक्रिया को समझने की दिशा में वैज्ञानिकों ने महत्वपूर्ण जानकारी हासिल की है, जिसके जरिए ये ब्लैक होल अपनी ही गैलेक्सी में नए तारों के निर्माण की प्रक्रिया को रोक देते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इसमें ब्लैक होल से निकलने वाले बेहद शक्तिशाली प्लाज्मा जेट्स की अंधार भूमिका होती है। बड़ी गैलेक्सियां गैस और धूल के विशाल भंडार से घिरी होती हैं। ऐसे वैज्ञानिक ‘सर्कमगैलेक्टिक मीडियम’ कहते हैं। यही गैस और धूल नए तारों के निर्माण के लिए जरूरी कच्चा माल उपलब्ध कराती है। जब यह पदार्थ गैलेक्सी के भीतर पहुंचता है, ठंडा होता है और पर्याप्त परिस्थितियां बनती हैं, तब इससे नए तारों का जन्म होता है। लेकिन सुपरमैसिव ब्लैक होल के सक्रिय होने पर यह प्रक्रिया बाधित हो सकती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्लैक होल अपने आसपास मौजूद पदार्थ को निगलते समय भारी मात्रा में ऊर्जा छोड़ सकते हैं। इसी गतिविधि से प्रकाश की गति के करीब तेज गति से प्लाज्मा के जेट अंतरिक्ष में दूर तक फैलते हैं। ये जेट केवल ब्लैक होल के आसपास के क्षेत्र तक सीमित नहीं रहते, बल्कि गैलेक्सी के आसपास मौजूद गैस के विशाल क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं। प्लाज्मा जेट्स से निकलने वाली ऊर्जा आसपास की गैस को गर्म कर देती है और उसकी भौतिक परिस्थितियों को बदल देती है। गर्म गैस के लिए ठंडा होकर गैलेक्सी के भीतर पहुंचना और तारों के निर्माण में इस्तेमाल होना कठिन हो जाता है। इस तरह ब्लैक होल सीधे तौर पर तारों को नष्ट करने के बजाय उनके निर्माण के लिए जरूरी ईंधन की उपलब्धता को प्रभावित करते हैं।

सहमति बनी : ऊर्जा और बुनियादी ढांचे पर हमला नहीं करेंगे रूस-यूक्रेन

वाशिंगटन। रूस और यूक्रेन के बीच एक एनर्जी सीजफायर का ऐलान किया गया है, जिसके तहत दोनों देश एक-दूसरे के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले नहीं करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूरस्थ सोशल नेटवर्क पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा, ट्रंप ने लागू, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध में एनर्जी सीजफायर है। दोनों पक्ष सहमत हो गए हैं। इसे मत तोड़ना। यह महत्वपूर्ण घोषणा ऐसे समय में हुई है जब इससे पहले ट्रंप यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलैन्स्की की आलोचना कर चुके थे। ट्रंप ने जेलैन्स्की पर रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए पर्याप्त प्रयास न करने का आरोप लगाया था और यहां तक कि अमेरिका में बढ़ती डीजल की कीमतों के लिए भी उन्हें ही जिम्मेदार उधारया था। टेनसी प्रांत के लिए रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा था, मेरा सुझाव है कि यूक्रेन को एक नया नेता चुनना चाहिए, जो समझौता कर सके। जेलैन्स्की कई समझौते कर सकते थे, लेकिन न जाने क्यों उन्होंने ऐसा कभी नहीं किया। रूस ने ट्रंप के इस बयान का तुरंत ख्गात किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आर्थिक दूत किरिल दिमित्रिय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि राष्ट्रपति ट्रंप भी अब उन लोगों में शामिल हो गए हैं, जिनका मानना ​​है कि यूक्रेन को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है, जो शांति पर ध्यान केंद्रित करे, न कि जेलैन्स्की की तरह युद्ध भड़काने पर। ट्रंप का जेलैन्स्की पर यह बयान अमेरिका और रूस के बीच हुए एक डीजल समझौते की जेलैन्स्की द्वारा की गई तीखी आलोचना के ठीक बाद आया था।

जोसेफिन की कप्तानी में भारत का दौरा करेगी जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम



हरारे। जिम्बाब्वे की महिला क्रिकेट टीम अनुभवी ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो की कप्तानी में भारत दौर पर पहुंचेगी। 15 सदस्यीय जिम्बाब्वे की टीम 16 अक्टूबर से भरत दौर पर रहेगी। ये उसकी महिला टीम का पहला भारत दौरा होगा। यह दौरा जिम्बाब्वे महिला क्रिकेट के लिए एक अहम मील का पथर साबित होगा। इससे वह वे विश्व की शीर्ष टीमों में से एक भारत के खिलाफ खेलकर अपनी क्षमताओं का आंकलन कर सकेगी। करेगी। जोसेफिन अपनी ऑलराउंड क्षमता और नेतृत्व कौशल के लिए जानी जाती हैं के ऊपर अपनी टीम को इस चुनौतीपूर्ण अभियान में मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी होगी। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस दौर

रियाद में मिसाइल हमले के कारण मैच में आई बाधा, रोनाल्डो की अल नासर जीती

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मिसाइल हमले के कारण अल नासर और नफ्तची फरगाना के बीच होने वाला एशियन चैंपियंस लीग फुटबॉल मच एक घंटे की देरी से शुरू हुआ। इस मैच में स्फ़्टर फ़ुबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो भी खेल रहे थे। यमन के हत्ती विद्रोहियों द्वारा दागे गए इस मिसाइल हमले के कारण मैच में बाधा आई। सऊदी रक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई से मिसाइल को सफलतापूर्वक हवा में ही नष्ट कर दिया गया, जिससे बड़ी अनहोनी टल गई और मैच आखिरकार खेला जा सका। इस मुकाबले में अल नासर ने 3-1 से शानदार जीत दर्ज की, जिसमें स्वयं क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी एक गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम योगदान दिया। स्थानीय समयानुसार अल-अब्बल पार्क में रात ७:15 बजे शुरू होने वाले इस मैच से ठीक पहले, रियाद में धमाकों की तेज आवाजें सुनाई दीं, जिसने स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों और खिलाड़ियों को चिंता में डाल दिया। इस दौरान, लोगों के मोबाइल फोन पर हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी

के लिए अपनी टीम में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल रहें मुख्य खिलाड़ियों को ही बनाये रखा है। बरकरार जिससे की टीम में निरंतरता बनी रही। जिम्बाब्वे ने हरारे में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की थी। इस जीत में अहम भूमिका निभाने वाली युवा तेज गेंदबाज न्याशा ग्वॉजुग और मिशेल मावुंगा को भी भारतीय दौर के लिए रखा गया है। 15 सदस्यीय टीम में शामिल इन दोनों गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मिलकर सात विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया था, और उनसे भारतीय पिचों पर भी अपनी रिविंग और गति से प्रभावित करने की उम्मीद

रियाद में मिसाइल हमले के कारण मैच में आई बाधा, रोनाल्डो की अल नासर जीती

किया गया, जिसमें उन्हें शांत रहने, अपने घरों में रहने या सुरक्षित स्थानों पर जाने, नागरिक सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और खिड़कियों व दरवाजों से दूर रहने की सलाह दी गई। इस अप्रत्याशित और तनावपूर्ण स्थिति के कारण मैच को तुरंत रोक दिया गया। स्टेडियम में दर्शकों को अपनी सीटों पर ही रहने के निर्देश दिए गए, जब तक कि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो गई। सऊदी अधिकारियों ने तुरंत घोषणा की कि रियाद की ओर दागी गई हूतियों की बैलिस्टिक मिसाइल को रोककर नष्ट कर दिया गया है। लगभग एक घंटे के इंतजार और सुरक्षा सुनिश्चित होने के बाद, अधिकारियों ने मैच फिर से शुरू करने की घोषणा की। देर से शुरू हुए इस मुकाबले में अल नासर टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। पहले हाफ में, 33वें मिनट में एंजेलो गेब्रियल ने पहला गोल दागकर अल नासर को बढ़त दिलाई। इसके ठीक बाद, 42वें मिनट में खुद क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक शानदार गोल करते हुए टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। यह उनके करियर का 981वां गोल था।

राष्ट्रीय गरिमा

होगे। उनका प्रदर्शन इस दौर पर जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है। इस दौर की शुरुआत तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ होगी, जो 16, 18 और 20 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद, टीम गुजरात के बड़ौदा का रुख करेगी, जहाँ 23, 25 और 28 अक्टूबर को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैच निर्धारित हैं। यह कार्यक्रम खिलाड़ियों को दोनों प्रारूपों में खुद को ढालने और विभिन्न रणनीतियों का प्रयोग करने का अवसर देगा। वनडे मैच विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा हैं। यह चैंपियनशिप दुनिया भर की शीर्ष महिला टीमों को एक-दूसरे के खिलाफ नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा करने और सीधे महिला क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने का अवसर प्रदान करती है, जिससे प्रत्येक मैच का महत्व और भी बढ़ जाता है। भारत का यह दौरा जिम्बाब्वे की युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ खेलने का अमूल्य अनुभव प्रदान करेगा। यह उनके कौशल को निखारने, अंतरराष्ट्रीय दबाव को संभालने और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक सुनहरा अवसर है। इस दौर से जिम्बाब्वे में महिला क्रिकेट के विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो युवा लड़कियों को खेल में भाग लेने और अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रेरित करेगा।

स्मिथ के हेलमेट पर लगी नोर्त्जे की बाउंसर, कनकशन जांच जारी

डरबन। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरबन में जारी टेस्ट मैच के दौरान हेलमेट पर पर गेंद लगने के बाद से ही कनकशन जांच चल रही है। सिर में चोट लगने पर ये जांच होती है जिससे खिलाड़ी एक तय समय तक मैदान से दूर रहता है। स्मिथ के हेलमेट पर दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे की एक तेज बाउंसर लग गयी थी। जिससे वह कनकशन जांच के दायरे में आये। अब उनके बाहर होने से ऑस्ट्रेलियाई टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

इस मैच में स्मिथ को दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते समय नोर्त्जे की उम्मीद से गेंद सीधे हेलमेट से टकराई, जिससे एक जोरदार आवाज हुई। उस समय तक उन्होंने केवल चार गेंदें खेली थीं। घटना के तुरंत बाद, मैदान पर उनकी कनकशन की प्रारंभिक जांच

की गई पर अपनी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ मैदान पर वापस नहीं लौटे, जिससे उनकी चोट की गंभीरता को लेकर चिंता बढ़ गई। टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की विस्तृत जांच की जाएगी।

इसके बाद ही उनके आगे खेलने को लेकर कुछ कहा जा सकेगा। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की कनकशन और हेड डॉमा पॉलिसी के तहत, एक बार कनकशन का पता चलने पर खिलाड़ी को कम से कम 24 घंटे के लिए खेल से बाहर रहना अनिवार्य होता है। इसके बाद, मेडिकल ऑफिसर से क्लीयरेंस मिलने तक वह क्रिकेट से जुड़ी किसी भी गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकते। यह प्रोटोकॉल खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।

राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच रही है बल्लेबाजों के अनुकूल

हैदराबाद। यहां हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बुधवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच चौथा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। इस मैच में दोनों ही टीम में जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम अभी सीरीज में 2-1 से बहुत पर है ऐसे में उसका लक्ष्य इस मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना रहेगा। . वहीं मेहमान टीम वेस्टइंडीज भी इसे जीतकर वापसी करना चाहेगी। भारतीय टीम ने लखनऊ में खेले गए पहले टी20 में जीत दर्ज की थी जबकि रांची में खेले गए दूसरे मैच में वेस्टइंडीज ने जीत दर्ज की थी। उस मैच में वेस्टइंडीज टीम ने 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की। वहीं तीसरे टी20 में भारतीय टीम ने 14 रनों से जीत हासिल की। अब चौथा टी20 हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब है कि राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रहती है। पिच सपाट है, जहां गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है. यहां देखा गया है कि गेंद अच्छे से बल्ले पर आने के कारण ब? शॉट्स लगते हैं. यहां गेंदबाजों के लिए ज्यादा मदद नहीं रहती. चाहेें तेज गेंदबाज हो या स्पिनर, यहां दोनों पर खूब रन बन सकते हैं। ऐसे में चौथा टी20 भी बड़े स्कोर वाला होने के संकेत हैं। यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को चाहिए कि 210-220 रन बनाए जाए. 200 से कम का लक्ष्य में यहां बहुत मुश्किल नहीं होगा। वहीं अगर रिकार्ड की बात करें तो राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में भारतीय टीम को पलड़ा भारी रहा है। यहां कुल 3 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। इसमें भारतीय टीम ने तीनों में जीत दर्ज की है। ऐसे में इस बार भी भारतीय टीम का पलड़ा भारी नजर आता है।

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज बटलर हैमस्ट्रिंग सर्जरी के कारण आगामी दौरों से बाहर हुए

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर की हैमस्ट्रिंग सर्जरी हुई है। इस कारण से बटलर लंबे समय तक खेल से दूर रहेंगे। बटलर जैसे अनुभवी खिलाड़ी के खेल से बाहर होने के कारण आगामी क्रिकेट मुकाबलों के लिए इंग्लैंड टीम की मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बटलर ने स्वयं अस्पताल से अपनी एक तस्वीर साझा कर इस अपनी सर्जरी के बारे में जानकारी दी। इसमें उनके एक पैर में ब्रेस बंधा हुआ है। बटलर को यह चोट पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ खेली गई एकदिवसीय सीरीज के दौरान लगी थी। 24 सितंबर को हेडिंगले में खेले गए दूसरे एकदिवसीय मैच में बल्लेबाजी करते हुए उन्हें चोट लगी थी पर इसके बाद भी वह खेलते रहे जिससे यह बढ़ गयी थी। इसी कारण उन्हें सर्जरी करवानी पड़ी। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिये बताया कि उनकी सर्जरी सफल रही। उन्होंने अस्पताल के बिस्तर से एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके बाएं पैर में ब्रेस साफ दिखाई दे रहा था पर वह इसके बाद भी उत्साहित। इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, सर्जरी सफल रही और अब मैं ठीक हो रहा हूं। पहले से कहीं ज्यादा प्रेरित हूं। इससे साफ है कि कि इस कठिन समय में भी वह सकारात्मक बने हुए हैं और वापसी के लिए संकल्पित हैं। इस चोट के कारण बटलर पाकिस्तान में होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज के अलावा नवंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया दौर से भी बाहर हो गये हैं। ऐसे में उनकी अनुपस्थिति में इंग्लैंड के मध्यक्रम और विकेटकीपिंग दोनों के लिए एक बड़ी कमी होगी, खासकर टी20 विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों से पहले, जहां उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की बहुत जरूरत होती। गौरतलबह है कि सोमवार को ही इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बटलर का केंद्रीय अनुबंध एक साल के लिए बढ़ा दिया है। बोर्ड के इस कदम से अंदाजा होता है वह बटलर को कार्बिलियत पर कितना भरोसा करती है।

व्यापार समाचार

संक्षिति समाचार

अंबानी फिर बने भारत के नंबर वन

अमीर, अदाणी को छोड़ा पीछे

मुंबई। भारत के सबसे अमीर कारोबारी बनने की दौड़ में एक बार फिर बड़ा बदलाव देखने को मिला है। रिलायंस इंडस्ट्रीस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गौतम अदाणी को पीछे छोड़कर देश के सबसे धनी व्यक्ति का खिताब फिर से अपने नाम कर लिया है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, अंबानी की नेटवर्थ अदाणी से आगे निकल गई है। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी की संपत्ति बढ़कर 78.8 अरब डॉलर पहुंच गई है। वहीं, गौतम अदाणी की नेटवर्थ 74.9 अरब डॉलर दर्ज की गई है। इन आंकड़ों के साथ अंबानी दुनिया के अमीरों की सूची में 25वें पायदान पर पहुंच गए हैं, जबकि अदाणी 28वें स्थान पर हैं। दोनों की कुल संपत्ति के बीच अब 3.9 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण अंतर आ गया है, जो भारतीय रुपए में हजारों करोड़ रुपए का फासला है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन कारोबारियों की रैंकिंग स्थायी नहीं होती; शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव के साथ ही उनकी संपत्ति और सूची में स्थान भी बदल सकता है। देश के शीर्ष 5 सबसे अमीर कारोबारियों की सूची में मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी के बाद सावित्री ज़िंदल 36.6 अरब डॉलर के साथ तीसरे, लक्ष्मी मित्तल 30.6 अरब डॉलर के साथ चौथे और शिव नादर 27.4 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ पांचवें स्थान पर हैं। भारत में अंबानी बेशक शीर्ष पर हों, लेकिन एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति का ताज चीन के झांग यिंग्मिंग के पास है। टिकटोंक की पेंटेड कंपनी बाइटडांस के संस्थापक झांग यिंग्मिंग की संपत्ति 84 अरब डॉलर है, जिससे वह एशिया में पहले स्थान पर हैं। एशिया की लिस्ट में मुकेश अंबानी दूसरे और गौतम अदाणी तीसरे नंबर पर बिसक गए हैं। वहीं, दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की बात करें तो एलन मस्क 1.007 ट्रिलियन डॉलर की अविश्वसनीय नेटवर्थ के साथ वैश्विक सूची में सबसे ऊपर बने हुए हैं।

भारतीय इस्पात नीति विजन 2047, आयात निगरानी के लिए एआई का उपयोग

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अपनी प्रस्तावित नेशनल स्टील पॉलिसी विजन 2047 के मसौदे में इस्पात आयात के असामान्य रुझानों का समय रहते पता लगाने और घरेलू उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित व्यवस्था और उन्नत डेटा विश्लेषण के उपयोग का प्रस्ताव किया है। नीति का उद्देश्य 2047 तक भारतीय इस्पात उद्योग के विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करना है। यह अनावश्यक आयात निर्भरता कम करने, इस्पात क्षेत्र को मजबूत बनाने और प्रतिस्पर्धात्मकता व दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए निष्पक्ष व्यापार, घरेलू क्षमता और गुणवत्ता पर आधारित तीन-स्तरीय रणनीति अपनाएगी। मौजूदा राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 की समीक्षा के बाद यह नई नीति एआई और मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रारथमिकताओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करती है। मसौदे में देश की इस्पात उत्पादन क्षमता को 60.4 करोड़ टन तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। यह विशेष रूप से चट्टिया या निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं होने वाले इस्पात के आयात पर रोक लगाने पर जोर देती है, जिसे घरेलू उत्पादकों के लिए बढ़ी चुनौती बताया गया है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए जांच, प्रमाणन और वास्तविक समय में आयात की निगरानी के साथ-साथ असामान्य रुझानों का जल्द पता लगाने के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल किया जाएगा। मसौदे में कहा गया है कि एआई आधारित आयात निगरानी और अन्य व्यापार सुधारात्मक उपायों सहित चट्टिया और कम गुणवत्ता वाले इस्पात के आयात को हतोत्साहित करने के उपाय जारी रहेंगे। जहां अनुचित व्यापार गतिविधियां साबित हों, वहां समय पर डीपिंग-रोपाइन और सुरक्षा उपाय किए जाएंगे। इसके साथ ही, देश में पर्याप्त उत्पादन न होने वाली विशेष इस्पात की किस्में की उपलब्धता सुनिश्चित करने और उन्नत प्रौद्योगिकी, अनुसंधान व विकास में निवेश पर भी बल दिया गया है।

अगस्त की तुलना में सितंबर में खुदरा और खाद्य महंगाई दोनों में तेजी से इजाफा

नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई का सिलसिला सितंबर में भी जारी रहा है, जिसने आम आदमी की जेब पर सीधा असर डाला है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त में यह 4.83 फीसदी थी। विशेष रूप से, खाने-पीने की चीजों के दाम में भारी उछाल देखा गया है, जिसकी दर 5.97 फीसदी से बढ़कर 7.74 फीसदी पर पहुंच गई। यह तेजी दिखाता है कि आम लोगों के घरेलू बजट पर दबाव बढ़ गया है। सोमवार, 12 अक्टूबर को सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के

आईएमएफने भारत का ग्रोथ अनुमान 6.4 से बढ़ाकर 7 फीसदी किया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत की आर्थिक क्षमता पर अपना गहरा विश्वास व्यक्त करते हुए वित्त वर्ष 2027 और 2028 के लिए देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर 7 फीसदी कर दिया है। पहले यह अनुमान 7वित्त वर्ष 27 के लिए 6.4 फीसदी और 7वित्त वर्ष 28 के लिए 6.7 फीसदी था। यह बढ़ोतरी भारतीय केंद्रीय बैंक आरबीआई और विश्व बैंक द्वारा भी अपने वृद्धि अनुमानों को बढ़ाने के बाद आई है, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को रेखांकित करती है। आईएमएफ के नवीनतम वल्टूड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था लगातार मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। 7वित्त वर्ष 27 और 28 दोनों के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7 फीसदी पर स्थिर किया गया है। यह

सकारात्मक बदलाव देश की दमदार आर्थिक रफ्तार, मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन के कारण संभव हुआ है। आईएमएफ ने भारत की अनुकूल आबादी संरचना, एक बड़े और बढ़ते घरेलू बाजार तथा लगातार जारी संरचनात्मक सुधारों को भविष्य की सतत गति के लिए महत्वपूर्ण कारक बताया है। यह अनुमान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक अर्थव्यवस्था कई चुनौतियों का सामना कर रही है। आईएमएफ को 2026 में दुनिया की अर्थव्यवस्था 3.1 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है, जो भारत के अनुमान से काफी कम है। 2027 के लिए वैश्विक वृद्धि अनुमान 3.4 फीसदी पर स्थिर है। रिपोर्ट में मध्य पूर्व के युद्ध से उत्पन्न आपूर्ति में रुकावटों को वैश्विक स्तर पर बढ़ती महंगाई और धीमी वृद्धि का प्रमुख जोखिम बताया गया है।



नई दिल्ली में, सीनियर वकील और कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी मुख्य चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के विरोध में सुप्रीम कोर्ट से बारम्बार तक वकीलों के मार्च का नेतृत्व करते हुए।

की गई पर अपनी बल्लेबाजी जारी रखने की अनुमति दे दी गई। हालांकि, जब ऑस्ट्रेलिया ने फील्डिंग शुरू की तो स्मिथ मैदान पर वापस नहीं लौटे, जिससे उनकी चोट की गंभीरता को लेकर चिंता बढ़ गई। टीम प्रबंधन ने पुष्टि की है कि अगले 24 घंटों में उनके कनकशन की विस्तृत जांच की जाएगी।

इसके बाद ही उनके आगे खेलने को लेकर कुछ कहा जा सकेगा। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की कनकशन और हेड डॉमा पॉलिसी के तहत, एक बार कनकशन का पता चलने पर खिलाड़ी को कम से कम 24 घंटे के लिए खेल से बाहर रहना अनिवार्य होता है। इसके बाद, मेडिकल ऑफिसर से क्लीयरेंस मिलने तक वह क्रिकेट से जुड़ी किसी भी गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकते। यह प्रोटोकॉल खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है।



चीन के हुबेई प्रांत में वुहान ओपन टेनिस में खेलती हुई चीन की वांग झिनयू।

व्यापार समाचार

सितंबर में खुदरा मुद्रास्फीति 5.54 फीसदी पहुंची, खाने-पीने की चीजों के भी बड़े दाम



अनुसार, महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दाम में

बेतहाशा वृद्धि है। सितंबर की खाद्य महंगाई के आंकड़े बताते हैं कि रसोई का

रुपया 82 पैसे चढ़कर

94.96 प्रति डॉलर पर खुला

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 82 पैसे मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल विपणन कंपनियों के लिए नामित बैंकों के जरिये डॉलर उपलब्ध कराने की विशेष व्यवस्था और विदेशी मुद्रा जोखिम से बचाव के कुछ लेनदेन की लागत बढ़ाने जैसे कदमों से हाजिर बाजार में डॉलर की मांग घटने से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.53 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें मजबूती आई और यह 94.96 प्रति डॉलर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 82 पैसे की बढ़त है।

भारत के सबसे बड़े आईपीओ का ऐलान, जियो प्लेटफॉर्मस ने तय किया प्राइस बैंड

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्मस के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के लिए प्राइस बैंड की घोषणा कर दी गई है। कंपनी ने अपने शेयरों की कीमत 1,065 से 1,119 रुपए प्रति शेयर तय की है, जिससे यह आईपीओ भारत के कॉर्पोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा सार्वजनिक निगम बनने जा रहा है। इस मेगा आईपीओ के जरिए जियो प्लेटफॉर्मस 30,200 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है। इस ऑफर के साथ कंपनी का कुल इक्विटी मूल्यंकन 9.8-10.3 लाख करोड़ रुपए (लगभग 101-107 बिलियन डॉलर) तक पहुंच जाएगा, जिस आईपीओ पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू होगा, जबकि अर्थ है कि शेयरों की कीमतों से जुटाई गई पूरी रकम सीधे कंपनी के बैंक खाते में जाएगी। इस फंड का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के मौजूदा कर्ज

हमें निडर और आत्म विश्वास के साथ अपने लक्ष्य की और आगे बढ़ना चाहिए : न्यायाधीश

विधिक जागरूकता शिविर में ग्रामीणजनों और छात्र छात्राओं को दी कानूनी जानकारी

भोपाल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,भोपाल द्वारा आज गौतम नगर स्थित संदीपनी विद्यालय निशातपुरा ,ग्राम पंचायत इंटर खेड़ी और हाइसेकंड्री स्कूल इंटर खेड़ी में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया जिसमें छात्र छात्राओं एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को कानूनी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्री सुनीत अग्रवाल,जिला विधिक सहायता अधिकारी मोहम्मद जिलानी एवं कादम्बिनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा (पीएलवी), जिला पंचायत के उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट,सरपंच हरिसिंह सैनी संदीपनी विद्यालय के प्राचार्य आर, सी जेन,हेडमास्टर लक्ष्मी गौर,संजय तोमर प्रिंसिपल,सचिव अंतिम साहू,एड्योकेट तेज सिंह उपस्थित थे। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण,

स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को हटाने की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल । नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपथों सहित अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में भेजने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के गौधवन परियोजना शाखा के अमले ने मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वतंत्र विचरण करने वाले 20 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 05 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि हाका पार्टी द्वारा 15 पशुओं को सड़कों से हटाया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम की गोवधन परियोजना शाखा के अमले ने शहर के कोलार, दामखेड़ा, अमरनाथ कॉलोनी, जाटखेड़ी, बाग मुनालिया, पीपल चौराहा, करोद चौराहा, रतन कॉलोनी, जेल रोड, बड़वाई आदि क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर सड़कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही करते हुए 20 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउसों में एवं बीमार/घायल 05 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजने की कार्यवाही की जबकि हाका पार्टी द्वारा 15 पशुओं को सड़कों से हटाया।

न्यू मार्केट में प्रतिदिन होगा फायर मॉकड्रिल

भोपाल । राजधानी के व्यस्ततम बाजार क्षेत्र न्यू मार्केट में नागरिकों के सुगम एवं व्यवस्थित एवं आवागमन एवं अग्निशमन की व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के दृष्टिगत नगर निगम द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है और समय-समय पर व्यवसायियों के साथ संवाद भी किया जा रहा है। इसी क्रम में निगम अधिकारियों एवं न्यू मार्केट व्यापारी संघ के पदाधिकारियों की बैठक आहूत की गई जिसमें न्यू मार्केट नो-व्हीकल जोन में रेहड़ी लगाकर व्यवसाय करने वाले हाकर्स को टी.टी.नगर स्टैंडिंग के पास हाट बाजार में विस्थापित करने, अग्नि सुरक्षा के दृष्टिगन प्रतिदिन फायर वाहन द्वारा मॉकड्रिल करने, फुटपथों पर आवागमन निर्बाध बनाये रखने, दुकानों के सामने पीली लाईन की पुनः मार्किंग करने, 45 एवं 36 चबूतरे स्थित दुकानों में स्थापित हाईडेंट को सुचारु बनाये रखने हेतु बेहतर ढंग से रखरखाव करने तथा जनभागीदारी से न्यू मार्केट क्षेत्र में फायर हाईडेंट सिस्टम स्थापित करने पर आपसी सहमति से निर्णय लिया गया। न्यू मार्केट के व्यवसायियों द्वारा विद्युत ऑडिट अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश भी दिये गये। बैठक में उपायुक्त श्री भुवन गुप्ता, फायर आफिसर श्री सौरभ पटेल, प्रभारी अतिक्रमण अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह भदौरिया, न्यू मार्केट व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्री सतीष गंगराडे, सचिव श्री अजय दवानी सहित अन्य पदाधिकारी व निगम अधिकारी मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में मंत्री पटेल ने सुनीं कार्यकर्ताओं की समस्याएं

भोपाल । मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और मंत्री राधा सिंह ने मंगलवार को राजधानी भोपाल स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं और सुझाव सुने। मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनसुवावाई के दौरान सामने आए जिन प्रकरणों में विभागीय कार्रवाई की आवश्यकता थी, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। मंत्रियों ने समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया में तेजी लाने और पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ दिलाने पर जोर दिया। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकर्ताओं के माध्यम से प्राप्त जनसमस्याओं का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर उनके समाधान का प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण तथा उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के नेतृत्व में संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

शासकीय अनुमतियों संबंधी कार्य 20 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश

भोपाल । भोपाल संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा द्वारा एयरोसिटी क्षेत्र भोपाल में बन रहे में ग्रीड कंट्रोल ऑफ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार ऊर्जा मंत्रालय का सार्वजनिक उपक्रम) के कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स ऑफ वैस्ट रीजन के निर्माण संबंधी सभी शासकीय अनुमतियों को 20 नवंबर तक पूर्ण करने एवं कार्य को तय समय में प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को कमिश्नर कार्यालय में ग्रीड इंडिया लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक एम.के. रमेश, सीईओ भोपाल विकास प्राधिकरण श्याम वीर सिंह सहित अन्य अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसमें इस प्रोजेक्ट को स्थापित किए जाने के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में बताया गया कि कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स का निर्माण भोपाल विकास प्राधिकरण करवा रहा है, जिसके लिए उसका ग्रीड इंडिया लिमिटेड के साथ कॉन्पेट टू कमप्लीशन एमओयू हो चुका है। कॉम्प्लेक्स के लिए भूमि का आवंटन भी हो चुका है। इसके निर्माण में लगभग 305 करोड़ रुपये की लागत आएगी और यह लगभग 02 वर्ष में पूर्ण किया जाएगा।

राष्ट्र भक्ति की अलख उगता दैनिक

राष्ट्रीय गरिमा



राष्ट्र एक कभीचा है और हम सब इसके माली

जागरूकता कार्यक्रम समाज में कानून के प्रति समझ विकसित करने तथा महिलाओं और युवतियों को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर पीएलवी श्री दिनेश शर्मा ने महिलाओं, बच्चों के लिए हेल्प लाइन नम्बर बताए साइबर फ्राड को शिकायत 1930, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टोल फ्री नम्बर 15100, पुलिस हेल्प लाइन या अन्य आवश्यक शिकायत हेतु 112 नम्बर डायल कर समस्या बता सकते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जन ओर छात्राएं उपस्थित थी। न्यायाधीश महोदय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित संदीपनी विद्यालय के शिक्षक जिन्होंने अध्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य किए ऐसे शिक्षकों न्यायाधीश सुनीत अग्रवाल ने सम्मानित किया जिसमें कांति जैन,किरण बुधवानी, ग्रामसेवक उपाध्याय,रश्मि सिंह चौहान, मांडवी जायसवाल, विकास बुधकर,राकेश श्रीवास्तव और भूपेंद्र सिंह शामिल थे।

महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन को मजबूत कर रही लाइली बहना योजना : मुख्यमंत्री

उमरिया के गृहवाही से सिंगल विलक से होगी जारी राशि,विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

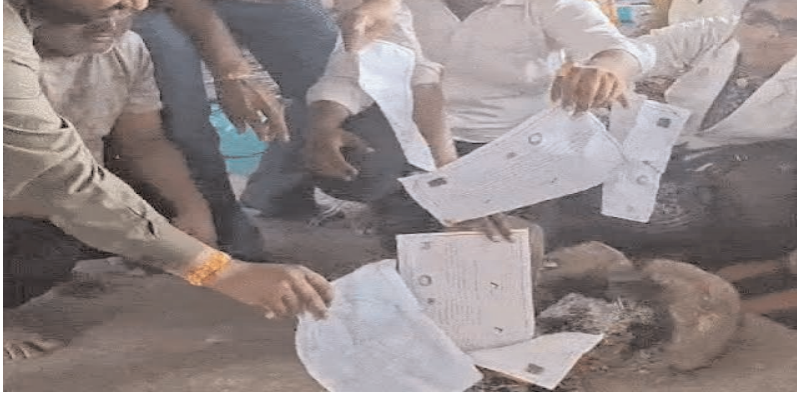
भोपाल । नवरात्रि के पावन पर्व पर प्रदेश को लाइली बहनों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 41 वीं किशत की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री 14 अक्टूबर को उमरिया जिले के मानपुर जनपद पंचायत अंतर्गत गुरुवाही ग्राम में आयोजित लाइली बहना योजना सम्मेलन में सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना की किशत की राशि अंतरित करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 1,500 रुपये के मान से आर्थिक सहायता राशि अंतरित की जायेगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन भी करेंगे। नवरात्रि के दौरान महिलाओं को



मिलने वाली यह राशि महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के एलपीजी उपभोक्ता एवं गैर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना श्रेणी में

मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना के अंतर्गत पंजीकृत लाइली बहनों को 450 रुपये के मान से गैस रिफिल प्रदाय किये जाने के लिये अनुदान राशि का सिंगल क्लिक से राशि अंतरित करेंगे। मुख्यमंत्री लाइली बहना योजना का उद्देश्य महिलाओं को

कोविड में सेवा देने वाले आयुष डॉक्टरों ने प्रतीकात्मक रूप से जलाई डिग्रियां



आयुष डॉक्टरों ने प्रदर्शन कर की सविदा नियुक्ति और दोबारा रोजगार देने की मांग

भोपाल । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में जिम्मेदारी निभाने वाले अस्थायी आयुष डॉक्टरों, दंत चिकित्सकों और पैरामेडिकल कर्मचारियों ने दोबारा रोजगार देने की मांग को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। पिछले आठ दिनों से धरने पर बैठे कोविड योद्धाओं ने मंगलवार को प्रतीकात्मक रूप से अपनी डिग्रियां जलाकर विरोध जताया। इस दौरान नारेबाजी की गई और हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया। प्रदर्शन कर की सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा उन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किया जाए,जिससे जन-सामान्य को इन लोक-कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अविलंब मिल सके। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा उन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किया जाए,जिससे जन-सामान्य को इन लोक-कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अविलंब मिल सके। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर मंगलवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 74 में लगभग 60 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न बुनियादी विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर

क्षेत्र का समग्र विकास और उन्नत नागरिक सुविधाएं हमारी प्राथमिकता : श्रीमती गौर

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने वार्ड 74 में 60 लाख रुपये के विकास कार्यों किया भूमि-पूजन

भोपाल । पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास तथा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण मूलभूत नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, नाली, पेयजल एवं अन्य ढांचागत संरचनाओं को सशक्त बनाने की दिशा में विकास कार्य निरंतर गतिशील हैं। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए तथा उन्हें निर्धारित समयावधि के भीतर पूर्ण किया जाए,जिससे जन-सामान्य को इन लोक-कल्याणकारी योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अविलंब मिल सके। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर मंगलवार को भोपाल के गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 74 में लगभग 60 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न बुनियादी विकास कार्यों के भूमि-पूजन कार्यक्रम को संबोधित कर

रही थीं ।उन्होंने कहा कि इन जनोपयोगी निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से संपूर्ण क्षेत्रवासियों को सुदृढ़ सड़क मार्ग एवं समुचित जल-निकासी जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के क्षेत्र में स्थायी राहत एवं सुगमता प्राप्त होगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने साईंधाम करारिया में 17 लाख 60 हजार रुपये की लागत से बनने वाली सीसी रोड एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य तथा कैलाश नगर सेमरा में 12 लाख 25 हजार रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी नाली का शुभारंभ किया। इसके साथ ही उन्होंने महाराज रंजीत सिंह मार्ग से गणपति रॉयल तक 13 लाख रुपये की लागत से प्रस्तावित सीसी रोड, कैलाश नगर में 11 लाख 50 हजार रुपये की लागत से आकार लेने वाली सीसी रोड व आरसीसी नाली तथा शारदा नगर में 4 लाख रुपये की लागत के सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया।

समारोह के समापन अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने विभागीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी एवं गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के कड़े निर्देश दिए। वहीं,क्षेत्र में बुनियादी विकास को इस नई सौगात के लिए स्थानीय नागरिकों एवं वृद्ध जनप्रतिनिधियों ने राज्यमंत्री श्रीमती गौर का हृदय से आभार व्यक्त किया।

युवा पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए विशेष अभियान जारी

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने ली विभिन्न राजनीतिक दलों की बैठक

भोपाल । मध्य प्रदेश में फोटो निर्वाचक नामावली में छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम शामिल करने एवं मतदाता सूची को अद्यतन करने के संबंध में मंगलवार को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे हुए नागरिकों एवं प्रथम बार/युवा पात्र मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने के लिए निरन्तर अद्यतन प्रक्रिया के तहत विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बृ्थ लेवल एजेंट (बीएलए) के माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन करने के कार्य में सहयोग करने का आग्रह किया। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि प्रथम बार पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने का कार्य अभियान चलाकर किया जा है। पात्र नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म-

6 भरकर आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के साथ आवश्यक जानकारी एवं दस्तावेज निर्धारित नियमों के अनुसार उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। यह भी स्पष्ट किया गया कि फॉर्म-6 जमा करने के बाद अलग से घोषणा-पत्र (डिक्लेरेशन फॉर्म) प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है। बैठक में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने बताया कि नए एवं पंजीकरण से छूटे पात्र मतदाताओं की सुविधा के लिए प्रत्येक जिले में विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य पात्र नागरिकों को पंजीयन प्रक्रिया की जानकारी देकर मतदाता सूची में नाम जुड़वाने हेतु आवेदन प्राप्त करना तथा आवश्यक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में सहायता प्रदान करना है। इसके लिए तहसील स्तर पर एस.डी एम./तहसीलदार एवं जिला स्तर पर संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से आवश्यक सहयोग दिया जा रहा है। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी आर.पी.एस. जादौन तथा उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय श्रीवास्तव, राजेश यादव एवं वीरेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। बैठक में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों आम आदमी पार्टी, भारतीय जनता पार्टी, इन्डियन नेशनल कांग्रेस, कम्यूनिष्ट पार्टी आफ इण्डिया एवं बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि शामिल हुए।

आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाना, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में निरंतर सुधार करना तथा परिवार के निर्णयों में उनकी भूमिका को सशक्त करना है। योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ परिवार की आर्थिक गतिविधियों में भी अधिक प्रभावी भागीदारी निभा सकें। योजना के अंतर्गत पात्र सामान्य लाभार्थी महिलाओं को प्रतिमाह 1,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना का लाभ प्राप्त करने वाली पंजीकृत पात्र महिलाओं को योजना के प्रावधानों के अनुसार प्रतिमाह 900 रुपये की सहायता प्रदान की जाती है। सहायता राशि आधार से जुड़े डीबीटी सक्रिय बैंक खातों में सीधे अंतरित की

जाती है, जिससे भुगतान की प्रक्रिया पारदर्शी और सुविधाजनक बनी रहती है। योजना के अंतर्गत जून 2023 में लगभग 1.25 करोड़ लाभार्थी महिलाओं को पहली मासिक आर्थिक सहायता राशि अंतरित की गई थी। सितंबर 2026 तक नियमित रूप से 40 किशतों का भुगतान किया जा चुका है। अब 14 अक्टूबर बुधवार को 41वीं किस्त जारी की जाएगी। इसके अतिरिक्त अगस्त 2023,अगस्त 2024, अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में लाभार्थी महिलाओं को चार बार 250-250 रुपये की विशेष आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई है। योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके आर्थिक निर्णय लेने की क्षमता और आत्मविश्वास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

भोजपाल सनातनी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का हुआ भव्य आगाज

गणेश वंदना,मां भगवती की आरती के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

भोपाल। भोजपाल सनातनी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव का भव्य आगाज किया गया। भेल जम्बूरी मैदान पर आयोजित होने वाले राजधानी के सबसे बड़े गरबा महोत्सव का मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा, आयोजन समिति के अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास वीरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आयोजन में प्रस्तुति देने आए कलाकार और प्रतिभागियों ने भगवान गणेश की वंदना और मां भगवती की आरती के साथ प्रस्तुति दी। आयोजन में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, महिलाएं, बच्चे और परिवार के लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा ने शहर में आयोजित किए जा रहे इस भव्य धार्मिक आयोजन के लिए आयोजन समिति भोजपाल गरबा महोत्सव का आधार जताया। उन्होंने कहा कि शहर की संस्कृति और इतिहास गौरवशाली रहा है। इस परंपरा को भोजपाल गरबा महोत्सव आगे बढ़ा रहा है। यह समिति हिंदुओं को जोड़ने का काम

कर रही है। भोजपाल गरबा महोत्सव में पहले ही दिन ग्राउंड पर भारी भीड़ रही। 20 हजार से ज्यादा लोग आयोजन में शामिल होने पहुंचे। सवा लाख किलोवाट साउंड सिस्टम, म्यूजिकल बैंड और गुजरात से आई टीम ने अपनी सुमधुर गीतों से गरबा प्रेमियों और प्रतिभागियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। संयोजक विकास वीरानी ने बताया कि भोजपाल सनातनी सांस्कृतिक गरबा महोत्सव में मुंबई से बालीवुड व टीवी सीरियल की अभिनेत्रियां अलग-अलग दिनों अपनी प्रस्तुति देंगी। 14 अक्टूबर को टीवी सीरियल कलाकार भाभी जी घर पर हैं फेम सिवांगी अत्रे, 16 को बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा शर्मा, 17 को टी वी सीरियल कलाकार कविता कौशिक और 18 को बॉलीवुड अभिनेत्री काम्या पंजाबी अपनी प्रस्तुति से धमाल मचाने आ रही हैं। अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि गरबा के दौरान आयोजन स्थल पर आने वाले लोगों की सुरक्षा और पहचान सुनिश्चित करने के लिए सभी को अपना आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। यहाँ आने वाले हर सनातनी का चंदन, तिलक लगाकर, कलावा बांधकर पारंपरिक रूप से स्वागत किया जाएगा।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम में एमएसएमई मंत्री श्री चेतन्य काश्यप की दिवंगत माताजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर संबोधित किया।

